

संक्षिप्त समाचार

सीटों को लेकर एक-दूसरे को तौल रही सपा-कांग्रेस, दिवाली बाद साफ होगी तटवीर
इन पर है भाजपा की निगाहें



नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर सपा व कांग्रेस गठबंधन के लिए सीटों के लिहाज से तस्वीर साफ होने में खासा वक्त है। कांग्रेस सीटों को लेकर जल्द निर्णय चाहती है, तो सपा जीत सुनिश्चित किए जाने के लिए मजबूत प्रत्याशियों के उत्तारने पर जोर दे रही है। इसी कथमकश के बीच सपा का फोकस इस वक्त राज्यसभा चुनाव पर ज्यादा है। माना जा रहा कि दिवाली के बाद सीटों की संख्या तय हो जाएगी, ताकि उसके बाद दोनों दल अपने अपने प्रत्याशियों का एलान सुविधा व तत्कालीन हालात व जातीय समीकरणों के आधार पर करेंगे। दोनों दलों के शीर्ष नेताओं में इस बात पर सहमति है। चुनाव का एलान होने के बाद दोनों दल संयुक्त रैलियां, संयुक्त मुद्रों के साथ सामने आएंगे। सपा जिले के हिसाब से घोणा पत्र तैयार कराएगी। उसमें कांग्रेस की भी राय ली जाएगी। वोट चोरी के मुद्दे पर इंडिया गठबंधन के तहत आगे होने वाली रैलियों में सपा भी अपनी सहभागिता दिखाएगी।

नए अध्यक्ष के आने से बदलेगा माहौल: अब कांग्रेस को नया प्रदेश अध्यक्ष मिल गया है जिनके सपा से अच्छे रिश्ते माने जाते हैं। ऐसे में सीटों को लेकर पहले जैसी तलख बयानबाजी कम होने के आसार हैं। वैसे कांग्रेस के प्रांतीय नेता पहले से ही 150 सीटों की मांग कर रहे हैं जिसे सपा के कई सांसद नकार चुके हैं। कांग्रेस की मंशा हर जिले से कम से कम एक सीट लड़ने की है। सूत्रों के मुताबिक, सपा 2017 के चुनाव के वक्त बने फार्मुले पर सहमत नहीं है। वह 2022 के चुनाव में सहयोगियों को दी गई सीटों से कुछ ज्यादा देकर कांग्रेस को तैयार करने की कोशिश में है। सपा ने उस वक्त कांग्रेस से समझौता नहीं किया था। सपा ने उस वक्त सुभाषचारा, रातोद समेत कई सहयोगियों को 55 सीट दी थी और बाकी पर खुद लड़ी थी। 2017 में सपा 105 सीटें दिए जाने का एलान हुआ लेकिन कांग्रेस 114 सीट पर लड़ गई यानी कुछ सीटों पर सपा कांग्रेस दोनों के प्रत्याशी आमने सामने थे। सपा अब दस साल बाद 311 सीट के बजाए 350 सीट पर लड़ने के मुद्द में है।

बसपा से जुड़े रहे कई नेता कांग्रेस व सपा में आने की तैयार: नेता प्रतिपक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य तो कांग्रेस के साथ आ गए हैं। बसपा सरकार में मंत्री रहे तीन चार और नेता भी कांग्रेस के संपर्क में हैं और उनकी पिछले दिनों कांग्रेस नेता राहुल गांधी व प्रियंका गांधी से मुलाकात हो चुकी है। कांग्रेस इन सबको सही मौका देख कर शामिल कराएगी। इन्हीं में मजबूत प्रत्याशी भी सपा के सामने रखे जाएंगे।

राज्यसभा चुनाव बाद जोर पकड़ेगा पाला बदल का खेल: यूपी में चुनाव की आहट के साथ ही पाला बदल का खेल जोर पकड़ेगा। पूर्व विधायक व पूर्व मंत्री तो अभी कांग्रेस का दामन थाम रहे हैं लेकिन अक्टूबर के दूसरे तीसरे हफ्ते से पार्टी छोड़ने व दूसरे दल का दामन थामने का सिलसिला जोड़ पकड़ेगा। भाजपा की निगाह भी सपा के उन नेताओं पर है जो गठबंधन में सीट कांग्रेस को जाने के बाद भी चुनाव लड़ने के लिए तैयार होंगे।

दुर्गापूजा में इस बार रामराज से लेकर गंगा यात्रा तक के होंगे दर्शन



देखने को मिल रहा है। सरकार बदली है तो कुछ पूजा समितियों की थीम में बदले राजनैतिक-सामाजिक माहौल की झलक भी दिखाई दे रही है, हालांकि पूरे शरदोत्सव की तस्वीर इससे कहीं व्यापक है। कहीं रामराज के जरिये आदर्श समाज, शांति और सुशासन का संदेश है, कहीं गंगा की यात्रा को पंडाल की कहानी बनाया गया है और कहीं पंच के जरिये भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता को सामने रखा गया है।

सत्ता परिवर्तन के बाद कुशासन से सुशासन की ओर: मध्य कोलकाता की तारा चंद दत्ता स्ट्रीट स्थित यंग बॉयस क्लब ने अपनी 57वीं दुर्गापूजा में रामराज को थीम बनाया है। पंडाल में भगवान राम और हनुमान की प्रतिमाओं के साथ शांति, गरिमा, न्याय और सद्भाव से जुड़े पोस्टर और चित्र होंगे। आयोजकों ने अपनी थीम को मई में हुए सत्ता परिवर्तन के बाद कुशासन से सुशासन की ओर बदलाव के संदेश से जोड़ा है। पूर्व मेदिनीपुर के कारीगर सूखे पत्तों, फूलों, से पंडाल तैयार कर रहे हैं।

दिल्ली के रंजीत नगर में एसआईआर को लेकर विशेष कैंप, बीएलओ और अधिकारी कर रहे समस्याओं का समाधान

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली के रंजीत नगर में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विशेष कैंप लगाया गया है। कैंप में मतदाता सूची और एसआईआर से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। यहां पहुंचने वाले लोगों के दस्तावेजों की जांच बीएलओ और संबंधित कर्मचारियों की ओर से की जा रही है। मतदाता सूची में नाम, पता या अन्य जानकारी में सुधार से जुड़ी समस्याओं को लेकर लोगों को मौके पर ही जरूरी जानकारी और सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। कैंप में लोगों को एसआईआर की प्रक्रिया, फॉर्म भरने की प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। इसके अलावा, बीएलओ से एसआईआर की प्रक्रिया, लोगों की प्रमुख समस्याओं और उनके समाधान को लेकर बातचीत भी की जा रही है। प्रशासन की ओर से लोगों को यह सुनिश्चित करने के लिए सहायता दी जा रही है कि प्रक्रिया के दौरान पात्र मतदाताओं को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। एआरओ शिवकुमार शर्मा ने आईएनएस से बातचीत में बताया कि एसआईआर को लेकर पहले से ही तैयारी की गई थी। उन्होंने कहा कि 31 अगस्त से 30 सितंबर तक फॉर्म 6 और 7 भरने की प्रक्रिया निर्धारित थी, लेकिन लोगों



की सुविधा को देखते हुए इसकी समय सीमा बढ़ा दी गई है। अब लोग 30 अक्टूबर तक अपना फॉर्म भर सकते हैं। इसके बाद 30 नवंबर तक संबंधित प्रक्रिया पूरी की जाएगी और 4 दिसंबर को अंतिम मतदाता सूची जारी की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिन लोगों को मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाना है, उन्हें फॉर्म 6 दिया जाता है। बीएलओ और कर्मचारी फॉर्म भरने में भी लोगों की मदद कर रहे हैं। वहीं, फॉर्म 7 का इस्तेमाल मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए किया जाता है। यदि किसी व्यक्ति की मृत्यु हो चुकी है या कोई मतदाता किसी दूसरी जगह चला गया है, तो ऐसे मामलों में भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत फॉर्म 7 का इस्तेमाल किया जाता है। शिवकुमार शर्मा ने बताया कि फॉर्म 8 का इस्तेमाल मतदाता सूची में पहले से दर्ज जानकारी में संशोधन के लिए

किया जाता है। यदि कोई व्यक्ति अपना नाम एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित कराना चाहता है या उसके नाम, पते अथवा अन्य जानकारी में बदलाव की आवश्यकता है, तो फॉर्म 8 के माध्यम से यह प्रक्रिया पूरी की जाती है। इसके लिए संबंधित जानकारी का प्रमाण भी देना होता है। उन्होंने कहा कि फिलहाल कैंप में आने वाले लोगों को किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ रहा है और प्राप्त होने वाले सभी फॉर्म पर नियमानुसार काम किया जा रहा है। प्रशासन की कोशिश है कि लोगों को एसआईआर की प्रक्रिया को समझने और उसे पूरा करने में हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाए। अधिकारियों के मुताबिक, एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान घर-घर जाकर भी मतदाताओं के सत्यापन और फॉर्म से जुड़ी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। जिन लोगों को घर पर प्रक्रिया पूरी करने में किसी तरह की समस्या आ रही है या जिन्हें एसआईआर से जुड़ी जानकारी समझने में कठिनाई हो रही है, उनकी सहायता के लिए विशेष कैंप लगाया गया है। लोग कैंप में पहुंचकर अपनी समस्या बता सकते हैं और संबंधित कर्मचारियों से जरूरी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। जरूरत पड़ने पर लोगों को फोन के माध्यम से भी जानकारी दी जा रही है और उनकी समस्याओं का समाधान

करने का प्रयास किया जा रहा है। यदि किसी मतदाता की मृत्यु हो चुकी है या कोई व्यक्ति किसी अन्य स्थान पर चला गया है, तो ऐसे मामलों के लिए भी निर्धारित प्रावधान के तहत कार्रवाई की जा रही है। फॉर्म में दी गई जानकारी और उपलब्ध रिकॉर्ड के आधार पर ऐसे मामलों को भी एसआईआर की प्रक्रिया में शामिल किया जा रहा है। कैंप में पहुंचे राहुल ने आईएनएस से बातचीत में बताया कि दस्तावेजों से जुड़ी कुछ समस्याएं थीं, जिसके कारण उन्हें कैंप में आना पड़ा। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से लोगों की सुविधा के लिए जो व्यवस्था की गई है, वह अच्छी है। उन्हें एसआईआर को लेकर कुछ जानकारी चाहिए थी और कुछ दस्तावेजों से संबंधित परेशानियां भी थीं। कैंप में आने के बाद कर्मचारियों ने उनकी बात सुनी और पूरी प्रक्रिया समझाई, जिससे अब उन्हें काफी आसानी हो गई है। वहीं, स्थानीय लोगों ने बताया कि एसआईआर को लेकर उन्हें कुछ समस्याएं थीं लेकिन कैंप में आने के बाद उनका समाधान हो गया। लोगों का कहना है कि उन्हें जिस तरह की जानकारी और सहायता की जरूरत थी, वह यहां उपलब्ध कराई जा रही है। कर्मचारी उनकी समस्याओं को सुनने के साथ-साथ जरूरी प्रक्रिया के बारे में भी समझा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने कहा कि

अधिकारी और कर्मचारी पूरा सहयोग कर रहे हैं। जब भी वे फोन करते हैं तो अधिकारी और कर्मचारी उनकी कॉल का जवाब देकर जरूरी जानकारी उपलब्ध कराते हैं। कैंप लगाए जाने से लोगों को काफी सुविधा हो रही है। यदि घर पर किसी कारण से एसआईआर की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पा रही है, तो लोग कैंप में आकर अपनी समस्या बता सकते हैं। यहां कर्मचारी दस्तावेजों की जांच करने के बाद आगे की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दे रहे हैं। विशाल सिंह ने बताया कि उन्हें फोन पर सूचना मिली थी कि उनके फॉर्म में कुछ समस्या है और उसे ठीक कराने के लिए कैंप में आ सकते हैं। इसके बाद उनके परिवार का एक सदस्य कैंप में पहुंचा और संबंधित जानकारी को ठीक कराय। उन्होंने कहा कि अधिकारी और कर्मचारी पूरा सहयोग कर रहे हैं और किसी तरह की परेशानी नहीं हो रही है। उन्होंने बताया कि एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर पहले कई लोगों को यह जानकारी नहीं थी कि उन्हें क्या करना है और कौन-कौन से दस्तावेज उपलब्ध कराने हैं। कैंप में आने के बाद उन्हें पूरी प्रक्रिया के बारे में जानकारी मिल रही है। बीएलओ और अधिकारियों की ओर से मिल रहे सहयोग के कारण लोगों के लिए एसआईआर की प्रक्रिया को पूरा करना आसान हो रहा है।

देखता रह गया ईरान वैकल्पिक रास्तों से तेल

निर्यात कर रहे खाड़ी देश, टैंकरों की आवाजाही बढ़ी

वाशिंगटन, एजेंसी। फारस की खाड़ी के अरब देश तेल ईरान-अमेरिका तनाव और होमुंज स्ट्रेट में जारी तनाव के बाद भी अपने कच्चे तेल का निर्यात युद्ध-पूर्व स्तर पर लाने में सफल रहे हैं। हालांकि अमेरिका की ओर से लगाई गई सख्त समुद्री नाकेबंदी के कारण ईरान का अपना तेल निर्यात लगभग शून्य बना हुआ है। यह पूरा घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब ईरान ने होमुंज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही रोककर अमेरिका पर कूटनीतिक दबाव बनाने की रणनीति बनाई थी। होमुंज में क्या बदलाव हुआ टैंकर ट्रैकिंग संस्था केस्टर थॉ लेकिनर आंकड़ों के अनुसार 1 से 28 सितंबर के बीच रोजाना करीब 1.65 करोड़ बैरल कच्चे तेल और कंडेनसेट का निर्यात हुआ, जो युद्ध से पहले के औसत के बराबर है। कुल निर्यात का 60 प्रतिशत होमुंज के रास्ते गुजरा। लगभग 40 प्रतिशत तेल अब होमुंज के बजाय जमीनी पाइपलाइनों और अन्य बंदरगाहों से भेजा जा रहा है। युद्ध से पहले यह आंकड़ा महज 17 प्रतिशत था। जुलाई से लागू

नाकाबंदी के चलते होमुंज के रास्ते ईरानी तेल का निर्यात पूरी तरह से ठप हो चुका है। अरब देशों में क्या रास्ता निकाला सऊदी अरब ने लाल सागर तक जाने वाली पाइपलाइनों और संयुक्त अरब अमीरात ने फुजैरा बंदरगाह तक जाने वाली पाइपलाइनों का इस्तेमाल बढ़ा दिया है। खाड़ी देशों ने 63 बहुत बड़े तेल टैंकरों का एक नेटवर्क तैयार किया है। ये टैंकर होमुंज के भीतर से तेल लाकर फुजैरा के पास बाहरी बड़े जहाजों में तेल ट्रांसफर करते हैं। अमेरिकी वायु और नौसैनिक बल जहाजों को हवाई सुरक्षा देने के साथ-साथ संभावित ड्रोन, मिसाइल और बॉट हमलों से सुरक्षा प्रदान कर रहे हैं। बढ़ती लागत बनी चुनौती तेल का निर्यात शुरू होने के बाद भी खतरा अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, अमेरिकी नौसेना के सुझाए गए दक्षिणी मार्ग से इतर जाने वाले जहाजों पर अब भी हमले दर्ज किए जा रहे हैं। इराक जैसे देशों को अपना तेल बेचने के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार दरों से 34.5 डॉलर से 37 डॉलर प्रति बैरल तक की भारी छूट देनी पड़ रही है।

एक कॉल और तुरंत एक्शन: भारतीय तटरक्षक बल बने फरिश्ता

अंडमान के पास घायल वियतनामी नागरिक को बचाया

नई दिल्ली , एजेंसी। अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में समुद्र के बीच एक बार फिर भारतीय नौसेना की तत्परता देखने को मिली। 4 अक्टूबर 2026 की सुबह इंदिरा पॉइंट के पास एक व्यापारी जहाज MT Sun 09 पर सवार वियतनामी नागरिक घायल हो गया। समुद्र में अचानक पैदा हुई इस मेडिकल इमरजेंसी की सूचना मिलते ही अंडमान एवं निकोबार कमान (ANC) ने तेजी से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। नौसेना के एक जहाज को तुरंत घटनास्थल की ओर रवाना किया गया और घायल व्यक्ति को नाव के जरिए जहाज तक पहुंचाकर प्राथमिक उपचार दिया गया।

सूचना मिलते ही हरकत में आई नौसेना की टीम: नौसेना के एक जहाज को इंदिरा पॉइंट के आसपास भेजा गया। वहां पहुंचने के बाद समुद्र में नाव के जरिए ऑपरेशन चलाया गया और घायल वियतनामी नागरिक को सुरक्षित निकाल लिया गया। उसे नौसेना के जहाज पर लाने के बाद तत्काल प्राथमिक उपचार दिया गया। मेडिकल टीम ने उसकी हालत पर लगातार नजर रखी और जरूरी चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई।

हालत स्थिर होने के बाद कैपबेल बे भेजा गया: प्राथमिक उपचार के बाद घायल व्यक्ति के महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संकेतकों को स्थिर किया गया। इसके बाद को तुरंत अस्पताल पहुंचाना आसान नहीं होता। ऐसे में नौसेना की टीम ने उपलब्ध संसाधनों के साथ तेजी से कार्रवाई की।

नौ के जरिए घायल तक पहुंची नौसेना की टीम: नौसेना के एक जहाज को इंदिरा पॉइंट के आसपास भेजा गया। वहां पहुंचने के बाद समुद्र में नाव के जरिए ऑपरेशन चलाया गया और घायल वियतनामी नागरिक को सुरक्षित निकाल



को तुरंत अस्पताल पहुंचाना आसान नहीं होता। ऐसे में नौसेना की टीम ने उपलब्ध संसाधनों के साथ तेजी से कार्रवाई की।

सूचना मिलते ही हरकत में आई नौसेना की टीम: नौसेना के एक जहाज को इंदिरा पॉइंट के आसपास भेजा गया। वहां पहुंचने के बाद समुद्र में नाव के जरिए ऑपरेशन चलाया गया और घायल वियतनामी नागरिक को सुरक्षित निकाल

लिया गया। उसे नौसेना के जहाज पर लाने के बाद तत्काल प्राथमिक उपचार दिया गया। मेडिकल टीम ने उसकी हालत पर लगातार नजर रखी और जरूरी चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई।

हालत स्थिर होने के बाद कैपबेल बे भेजा गया: प्राथमिक उपचार के बाद घायल व्यक्ति के महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संकेतकों को स्थिर किया गया। इसके बाद

ईरान के साथ टकराव ट्रंप के कार्यकाल के बाद भी रह सकता है जारी

► पूर्व अमेरिकी अधिकारी

ने जताई आशंका

वॉशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस में मिडिल ईस्ट से जुड़े मामलों के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी ब्रेट मैकगर्क ने चेतावनी दी है कि ईरान के साथ चल रहा टकराव अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बाकी कार्यकाल के दौरान जारी रह सकता है और आगामी अमेरिकी सरकार को भी इससे निपटना पड़ सकता है। वहीं, ट्रंप प्रशासन का कहना है कि वह ईरान पर कूटनीतिक और सैन्य दोनों तरह का दबाव



बनाए हुए है। राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में मिडिल ईस्ट और नॉर्थ अफ्रीका के कोऑर्डिनेटर रहे ब्रेट मैकगर्क ने कहा कि उन्हें ईरान के साथ किसी बड़े और पूरी तरह

समाधान वाले समझौते का फिलहाल कोई साफ रास्ता नजर नहीं आ रहा। उन्होंने लंबे समय तक आर्थिक दबाव, बीच-बीच में सैन्य टकराव और कुछ समय के लिए सीजफायर होने की संभावना जताई। मैकगर्क ने सीएनएन के फरीद जकारिया से कहा, ' अगर मुझे अनुमान लगाना हो, तो यह मामला ट्रंप के राष्ट्रपति कार्यकाल के आखिर तक चलता रहेगा और फिर अगले राष्ट्रपति को भी ईरान की इस पुरानी समस्या से निपटना होगा। जिमी कार्टर के समय से ही लगभग हर अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान की इस व्यवस्था से जुड़ी चुनौती का सामना किया है। ' उन्होंने कहा, 'यह लंबे समय से चली आ रही समस्या है।

मिसौरी में सड़क हादसे में तेलंगाना की महिला की मौत, दोस्त घायल



वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मिसौरी राज्य के सेंट लुइस इलाके में शनिवार देर रात सड़क हादसे में तेलंगाना की 31 वर्षीय महिला की जान चली गई। तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी कार को टक्कर मार दी। मृतका की पहचान दराम सुप्रिया के रूप में हुई है, जो तेलंगाना के महबूबाबाद जिले के मरीपेड़ा की मूल निवासी थीं। परिजनों के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब सुप्रिया अपना रेस्टोरेंट बंद कर घर लौट रही थीं। हादसे में सुप्रिया की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके साथ कार में सवार उनकी सेहेली गंधीर

9/11 जैसे हमले की फिराक में था फ्लाईडुबई का को-पायलट

प्लेन को ऊंची इमारत से टकराने की बनाई थी योजना

दुबई , एजेंसी। फ्लाईडुबई के विमान को हाईजैक करने और फिर उसे क़ैश करने की नाकाम कोशिश में को-पायलट हम्पाम अल-हम्मानी से बड़ी जानकारी प्राप्त हुई है। जांचकर्ताओं के मुताबिक फ्लाईदुबई का को-पायलट 9/11 जैसे बड़े हमले की फिराक में था और उसे प्लेन को ऊंची इमारत से टकराने की योजना बनाई थी। इजराइल की शुरुआती जांच में यह बात भी सामने आई है कि 29 वर्षीय आमान के नागरिक ने इस हमले को अकेले ही अंजाम दिया था। इतालवी अखबार कोरिएरे डेला सेरा ने रिपोर्ट दी कि अल-हम्मानी ने चुपके से मच्छर को मारने, विमान के इंजन बंद करने और 30 सितंबर को तेल अवीव के एक इमारत से प्लेन टकराने की योजना बनाई थी। इजराइली मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, अल-हम्मानी, जिन्हें श्व में गिरफ्तार किया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है, ने जांचकर्ताओं को बताया कि उसका इरादा कैन्टन को ठिकाने लगाने और लैंडिंग की मंजूरी मिलने के बाद भी फ्लाइट 1073 को सामान्य रूप से जारी रखने का था, और फिर तेल अवीव के पास बेन गुरियन एयरपोर्ट पर विमान को किसी इमारत या दूसरे प्लेन से टकराने का था। को-पायलट ने नियंत्रण अपने हाथ में लेने की कोशिश करने से पहले विमान के जॉर्डन के ऊपर पहुंचने का इंतजार करने की योजना बनाई थी, ताकि अलामा न बजे और उसे हमले को अंजाम देने के लिए पर्याप्त समय मिल सके। इजराइली मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार उसने जुलाई में हमला करने की योजना बनाई थी लेकिन आखिरी समय में इसे छोड़ दिया क्योंकि वह वरू के एक सदस्य का दोस्त था। गौर हो कि 30 सितंबर को हम्मानी ने कॉकपिट में भारतीय पायलट मच्छर पर क़ैश एक्स (अपातकालीन कुल्हाड़ी) से हमला किया और फ्लाइट पर नियंत्रण करने की कोशिश की। संघर्ष के दौरान बोइंग 737 मैक्स 8 विमान लगभग दो मिनट में 36,000 फीट से नीचे गिरकर लगभग 17,000 फीट पर आ गया जिससे विमान के ढांचे पर बहुत ज्यादा दबाव पड़ा और विमान के रडर (दिशा-नियंत्रक) के कुछ हिस्से उखड़ गए। विमान में 174 यात्री सवार थे।

मथुरा, एजेंसी। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में पक्षकार दिनेश फलाहारी ने संत प्रेमानंद महाराज की सुरक्षा और आश्रम परिसर के भीतर के हालातों को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर संत की सुरक्षा के साथ ही केलिकुंज आश्रम और आसपास की गतिविधियों की निष्पक्ष जांच की मांग की है। दिनेश ने पत्र में बताया कि श्रीहित राधा केलिकुंज आश्रम से जुड़ी गतिविधियों को लेकर दो पक्षों के बीच मतभेद हैं। आरोप लगाए जा रहे हैं कि आश्रम की आड़ में संपत्ति व प्रपट्टी के धंधे से जुड़े कुछ लोग सक्रिय हो गए हैं, जिन्होंने संस्था के प्रभाव का अनुचित लाभ उठाते हुए आश्रम बना लिए हैं। उनके पत्र के अनुसार संपत्ति और व्यावसायिक गतिविधियों से आहत होकर संत प्रेमानंद महाराज बेचैन स्थित आश्रम चले गए। मामले की गंभीरता तब और



बढ़ गई जब केलिकुंज आश्रम के आसपास से बच्चों के गायब होने तथा सदिरघ लोगों के सक्रियता की आशंकाएं जताई जाने लगीं। भक्तों

का मानना है कि संत प्रेमानंद महाराज की सुरक्षा देश व अध्यात्म हित में बेहद आवश्यक है।

संत प्रेमानंद के समर्थन में आए संत और

भागवताचार्य: शिष्य की मौत के बाद चर्चों में आए संत प्रेमानंद के समर्थन में ब्रज के संत और भागवताचार्य सामने आए हैं। उनका कहना है कि बिना सच्चाई जाने संत के खिलाफ बयानबाजी करना गलत है। जो लोग ऐसा कर रहे हैं, उन्हें अपनी हरकतों से बाज आना चाहिए।

भागवताचार्य चित्रलेखा बोलीं, लोग जो मन में आए बोल रहे हैं, कोई मर्यादा नहीं: भागवताचार्य चित्रलेखा ने कहा कि संत प्रेमानंद महाराज के बारे में लोग जो मन में आ रहा बोल रहे हैं, कोई मर्यादा नहीं। किसी को कुछ पता नहीं है, फिर भी बड़ी बातें कर रहे हैं। यदि कोई घटना हो भी जाती है तो क्या किसी संत महापुरुष एवं रसिक प्रेमी पर बोलना ही बड़ा अपराध है। उन्होंने कहा कि अधूरा ज्ञान बड़ा खतरनाक होता है। यदि ज्ञान नहीं है तो

मौन रहना चाहिए। मल्लूक पीठाधीश्वर महंत राजेंद्र दास महाराज ने संत प्रेमानंद महाराज का नाम न लेते हुए कहा कि समाज बड़े से बड़े महापुरुष को छीछलेदार करने में नहीं चूकता,लेकिन उनके द्वारा राष्ट्र एवं समाज को क्या मिला, उसे नंदिक नही देखते। भागवताचार्य अनिरुद्धाचार्य ने कहा कि मीडिया को किसी जज की जरूरत नहीं पड़ती, क्योंकि वह खुद ही जज बन जाती है। बिना सच्चाई जाने संत प्रेमानंद महाराज को बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संत प्रेमानंद महाराज ने लाखों-करोड़ों श्रद्धालुओं को सनातन धर्म के मार्ग से जोड़ा है। उनके प्रवचनों से बड़ी संख्या में लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। ऐसे संत के प्रति बिना तथ्यों की जानकारी के आरोप लगाना उचित नहीं है।

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर ने की विभागीय योजनाओं की समीक्षा,100 दिन से लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को आयोजित समय-सीमा बैठक में कलेक्टर विकास मिश्रा ने विभिन्न विभागों की योजनाओं, कार्यक्रमों और लॉबित प्रकरणों की समीक्षा की उन्होंने अधिकारियों को सभी शासकीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन

सुनिश्चित करने के साथ निर्धारित समय-सीमा में प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए कलेक्टर ने सेवा संकल्प अभियान की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए कहा कि शासन के निर्देशानुसार सभी कार्यक्रम व्यवस्थित तरीके से आयोजित किए जाएं अभियान में अधिक से

अ ि ध क जनभागीदारी सुनिश्चित करने के साथ पात्र हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत शुक्रवार को मझौली में शिविर आयोजित किया जाएगा बैठक में कलेक्टर ने 100 दिवस

से अधिक समय से लॉबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए उन्होंने ग्राम सभाओं में सभी विभागों की प्रभावी उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा ग्रामीणों को विभागीय योजनाओं को जानकी और सेवाएं उपलब्ध कराने को कहा। लोक सेवा केंद्रों

की कार्यप्रणाली की नियमित निगरानी करते हुए नागरिकों को निर्धारित समय-सीमा में सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना की समीक्षा के दौरान संबंधित विभागों को पिछले माह की गतिविधियों की जानकारी पोर्टल पर दर्ज करने को कहा गया वनाधिकार के अमान्य दावों के पुनः परीक्षण के लिए सभी एसडीएम को सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए ग्राम स्तरीय समितियों और खंड स्तरीय शिविरों के माध्यम से दावों का परीक्षण कर प्रकरण जिला स्तरीय समिति के निर्णय के लिए प्रस्तुत करने को कहा गया। कलेक्टर ने सीधी सहित जिले के सभी नगरीय निकायों के बस स्टैंडों का एसडीएम से निरीक्षण कराने के निर्देश दिए बस स्टैंडों पर यात्रियों के लिए आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने, पथ विक्रेताओं के लिए उचित व्यवस्था करने और उन्हें प्रधानमंत्री स्वनिधि योजनाका लाभ दिलाने की कार्रवाई करने को कहा। जिले में

दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए दुग्ध सहकारी समितियों के गठन तथा पशुओं के टीकाकरण की कार्रवाई के निर्देश दिए गए वहीं अवैध कॉलोनिनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के लिए एसडीएम को निर्देशित किया गया। बैठक में मतदाता सूची में नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के अभियान की भी समीक्षा की गई। विद्यालयों और महाविद्यालयों में शिविर लगाकर 1 जनवरी 2027 की स्थिति में 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवाओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने के निर्देश दिए गए एसआईआर गतिविधियों के दौरान मतदाता सूची से हटे पात्र व्यक्तियों को आवेदन की सुविधा उपलब्ध कराने को भी कहा गया। कलेक्टर ने नल-जल योजनाओं के हस्तांतरण की समीक्षा करते हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और पंचायत विभाग को आपसी समन्वय से पूर्ण योजनाओं के हस्तांतरण की प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने के निर्देश दिए बैठक में विभागवार लॉबित प्रकरणों और योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

500 मोमबत्तियों का 5 हजार का बिल, मौके की तस्वीरों पर उठे सवाल



मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। बुढ़ार जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत रैकोवा में सेवा संकल्प कार्यक्रम के नाम पर मोमबत्ती खरीदी को लेकर सवाल खड़े हुए हैं पंचायत की वेबसाइट पर अपलोड किए गए बिल में 500 मोमबत्तियों की खरीदी के लिए 5 हजार रूपए का भुगतान दर्शाया गया है। वहीं कार्यक्रम की सामने आई तस्वीरों में इतनी संख्या में मोमबत्तियां दिखाई नहीं देने का दावा किया जा रहा है मामला सामने आने के बाद जनपद स्तर पर जांच की बात कही गई है जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत रैकोवा में 17 सितंबर को सेवा संकल्प कार्यक्रम आयोजित किया गया था। पंचायत की वेबसाइट पर अपलोड बिल में 10 रूपए प्रति

मोमबत्ती की दर से 500 मोमबत्तियों के लिए 5 हजार रूपए खर्च दर्शाया गया है इसके अलावा माचिस और लड्डू (बल्ब) सहित अन्य सामग्री का खर्च भी बिल में शामिल बताया गया है। कार्यक्रम की तस्वीरें सामने आने के बाद ग्रामीणों ने खरीदी की मात्रा पर सवाल उठाए हैं ग्रामीणों का कहना है कि कार्यक्रम के दौरान मौके पर बहुत कम संख्या में मोमबत्तियां दिखाई दी थीं उनका दावा है कि कार्यक्रम में इस्तेमाल हुई मोमबत्तियों की वास्तविक कीमत बिल में दर्शाई गई राशि से काफी कम हो सकती है ग्रामीणों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। मामला सामने आने के बाद ग्राम पंचायत सचिव छोटेलाल ने आरोपों को खारिज किया है। उनका कहना है कि कार्यक्रम में 5 हजार रूपए की पूरी मोमबत्तियां जलाई गई थीं और पंचायत की वेबसाइट पर अपलोड किया गया बिल सही है वहीं जनपद पंचायत के सीईओ राजीव ने मामले को संज्ञान में लेते हुए कहा कि बिल और कार्यक्रम में हुए वास्तविक खर्च की जांच कराई जाएगी।

नगरीय निकाय चुनाव की तैयारी में जुटा संगठन, वार्ड स्तर तक मजबूती पर जोर

10 अक्टूबर के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर बनी रणनीति, नए कार्यकर्ताओं को जोड़ने और जनसमस्याएं उठाने पर भी चर्चा



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पार्टी कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक में आगामी कार्यक्रमों और संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर विस्तार से मंथन किया गया बैठक में विशेष रूप से 10 अक्टूबर को प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों, नगरीय

निकाय चुनाव की रणनीति तथा संगठन विस्तार को लेकर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के बीच चर्चा हुई। बैठक में आगामी चुनाव को देखते हुए संगठन को वार्ड स्तर तक मजबूत करने पर जोर दिया गया बैठक में पदाधिकारियों ने कहा कि नगरीय

निकाय चुनाव को लेकर अभी से कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने की जरूरत है इसके लिए वार्ड स्तर पर संगठन की स्थिति मजबूत करने, नए कार्यकर्ताओं को पार्टी से जोड़ने तथा पुपने कार्यकर्ताओं के साथ बेहतर समन्वय बनाकर काम करने की रणनीति पर विचार किया गया स्थानीय स्तर पर लोगों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने और उनके समाधान के लिए प्रभावी तरीके से आवाज बुलंद करने पर भी चर्चा हुई बैठक में 10 अक्टूबर को प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की गई कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों पर विचार-विमर्श किया गया पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं से

आपसी समन्वय के साथ सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया बैठक में आगामी दिनों में आयोजित होने वाली पार्टी की गतिविधियों और संगठनात्मक कार्यक्रमों को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए पदाधिकारियों ने कहा कि मजबूत संगठन ही आगामी चुनाव में पार्टी की प्रभावी भूमिका सुनिश्चित कर सकता है इसलिए बूथ और वार्ड स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने के साथ आमजन से लगातार संपर्क बनाए रखना जरूरी है बैठक में कार्यकर्ताओं से जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देने और स्थानीय समस्याओं को संगठन के माध्यम से उचित मंच तक पहुंचाने पर भी जोर दिया गया।

राजस्व वसूली के लिए अभियान चलाने, फार्मर रजिस्ट्री और स्वामित्व योजना में तेजी के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा ने राजस्व अधिकारियों को आमजन से जुड़े राजस्व प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं उन्होंने कहा कि नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन जैसे मामलों में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए लॉबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा करते हुए समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण पर विशेष ध्यान दिया जाए कलेक्टर ने सोमवार को राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, राजस्व वसूली, फार्मर रजिस्ट्री, आपदा राहत प्रकरण, नक्शा-खसरा की विस्लेशियों और स्वामित्व योजना की प्रगति की जानकारी ली गई। उन्होंने कहा कि राजस्व न्यायालयों से पारित आदेशों का समय पर अमल सुनिश्चित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना प्रकरण का निराकरण अधिकारियों को आदेशों के अमल की स्थिति की नियमित समीक्षा कर लॉबित मामलों में प्राथमिकता से कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए नामांतरण प्रकरणों के निराकरण में बेहतर प्रदर्शन के लिए तहसीलदार मझौली दिलीप सिंह को



सम्मामित भी किया गया कलेक्टर ने कहा कि बेहतर प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों से अन्य अधिकारी प्रेरणा लें और गति के साथ कार्य की गुणवत्ता भी बनाए रखें।

राजस्व वसूली के लिए अभियान चलाने के निर्देश: बैठक में राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए वसूली योग्य प्रकरणों को चिन्हित कर नियमानुसार कार्रवाई और क्षेत्रवार प्रगति की नियमित

मॉनिटरिंग करने को कहा गया। कलेक्टर ने फार्मर रजिस्ट्री के कार्य को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने में फार्मर रजिस्ट्री महत्वपूर्ण है इसलिए पात्र किसानों की रजिस्ट्री पूर्ण करने के लिए मैदानी स्तर पर जागरूकता और समन्वय के साथ कार्य किया जाए आपदा राहत प्रकरणों की समीक्षा करते हुए प्राप्तिवित परिवारों को पात्रता के अनुसार समय पर राहत राशि उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

झुंड से बिछड़ा हाथी शहडोल में घुसा

शहडोल। छत्तीसगढ़ की ओर से एक जंगली हाथी सोमवार तड़के शहडोल जिले की सीमा में दाखिल हुआ झुंड से बिछड़ा हाथी केशवाही वन परिक्षेत्र के रमना कनेर के पास तेंदुटोला क्षेत्र में पहुंचा है वन विभाग ने निगरानी बढ़ते हुए आसपास के गांवों में मुनादी कराकर ग्रामीणों को सतर्क रहने की अपील की है केशवाही रेंजर अंकुर तिवारी के अनुसार हाथी सुबह करीब 4 बजे जिले में आया वन विभाग की टीम उसकी लोकेशन ट्रैक कर रही है ग्रामीणों को जंगल में अकेले न जाने और हाथी के नजदीक नहीं जाने के सलाह दी गई है। हाथी की निगरानी के लिए कई टीमें तैनात की गई हैं ग्रामीणों के मोबाइल में गजक्षक ऐप भी डाउनलोड कराया जा रहा है।

किशोर स्वास्थ्य जागरूकता में साथिया निभा रहे अहम भूमिका : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में रविवार को किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत साथिया समागम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलेभर से साथिया, साथिया मास्टर ट्रेनर, परामर्शदाता, आशा कार्यकर्ता तथा किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम से जुड़े प्रतिभागियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में 200 से अधिक लोगों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कलेक्टर विकास मिश्रा ने किशोर-किशोरियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने में साथिया की भूमिका की सराहना की उन्होंने कहा कि किशोरवस्था जीवन का महत्वपूर्ण चरण है इस दौरान किशोर-किशोरियों को स्वास्थ्य से संबंधित सही जानकारी, उचित परामर्श और आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराना जरूरी है। साथिया इस दिशा में किशोर-किशोरियों और स्वास्थ्य सेवाओं के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य कर रहे हैं कलेक्टर ने कहा कि किशोरों की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं और समस्याओं को समझते



हुए उन्हें सही जानकारी उपलब्ध कराना आवश्यक है साथिया अपने स्तर पर किशोर-किशोरियों से संवाद कर उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं इससे स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ने और किशोरों तक आवश्यक सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने में मदद मिलती है।

पांच उत्कृष्ट साथिया सम्मानित: समागम के दौरान किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिले के पांच टॉप साथिया को कलेक्टर विकास मिश्रा ने अपने हाथों से मोमेंटो एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया उन्होंने सम्मानित साथिया के कार्यों की सराहना करते हुए अन्य प्रतिभागियों को भी किशोर स्वास्थ्य जागरूकता गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में सहयोग और सहभागिता के लिए उपस्थित शिक्षकों, सरपंचों एवं सचिवों सहित अन्य प्रतिभागियों को भी प्रमाण पत्र एवं मोमेंटो प्रदान किए गए अधिकारियों ने कहा कि किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम को प्रभावी बनाने में स्वास्थ्य विभाग के साथ विद्यालयों, पंचायतों और समुदाय की सहभागिता की महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में किशोर स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रतिभागियों के बीच संवाद और जानकारी का आदान-प्रदान किया गया साथिया, मास्टर ट्रेनर, परामर्शदाता और आशा कार्यकर्ताओं ने किशोर-किशोरियों तक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी पहुंचाने के अनुभव साझा किए कार्यक्रम में सविनय सज्जं दीपराणी इसरानी, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्य, जिला कार्यक्रम अधिकारी सहित स्वास्थ्य विभाग एवं किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम से जुड़े अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्पॉन्सरशिप के पात्र बच्चों को सामुदायिक सहयोग से मिलेगा सहयोग

कलेक्टर ने गणमान्य नागरिकों, व्यवसायियों और संस्थानों से बच्चों को स्पॉन्सर करने के लिए संपर्क के लिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की त्रैमासिक बैठक सोमवार को कलेक्टर विकास मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में मिशन वात्सल्य के अंतर्गत संचालित स्पॉन्सरशिप योजना की समीक्षा की गई कलेक्टर ने अनाथ तथा आर्थिक रूप से कमजोर विधवा और परित्यक्ता महिलाओं के पात्र बच्चों को सामुदायिक सहयोग से निजी स्पॉन्सरशिप का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिला बाल संरक्षण अधिकारी को जिले के गणमान्य नागरिकों, व्यवसायियों, जनप्रतिनिधियों तथा औद्योगिक एवं



व्यावसायिक संस्थानों से संपर्क करने को कहा उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों और संस्थानों को पात्र बच्चों को व्यक्तिगत रूप से

स्पॉन्सर करने के लिए प्रेरित किया जाए साथ ही योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि अधिक से अधिक

जरूरतमंद बच्चों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा, देखभाल और बेहतर भविष्य के लिए आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जा सकता है स्पॉन्सरशिप के माध्यम से बच्चों की आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ उन्हें सुरक्षित और बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने में भी मदद मिलेगी।

छात्रावासों में सुरक्षा व्यवस्था पर जोर: बैठक में कलेक्टर ने जिले में संचालित सभी शासकीय और अशासकीय छात्रावासों के कर्मचारियों का चरित्र सत्यापन कराने के निर्देश दिए छात्रावासों में सुरद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने को भी कहा गया विद्यालयीन वाहनों के कर्मचारियों का नियमित पुलिस सत्यापन कराने, वाहनों के फिटनेस प्रमाण-पत्र तथा सुरक्षा उपायों की नियमित जांच करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने विद्यालयीन वाहनों में चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 और संपर्क के लिए मोबाइल नंबर अनिवार्य रूप से प्रदर्शित कराने को कहा उन्होंने विद्यालयों और समुदाय स्तर पर दीवार लेखन तथा सोशल मीडिया के माध्यम से चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए।

बच्चों से संवाद और काउंसलिंग के निर्देश: कलेक्टर ने जिले के सभी छात्रावासों में बाल कल्याण समिति के सदस्यों के माध्यम से बच्चों से नियमित संवाद आयोजित करने को कहा आवश्यकता होने पर नाबालिग बच्चों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से विधिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए स्पॉन्सरशिप योजना से लाभान्वित बच्चों की नियमित गृहभेंट कर उनकी समस्याओं का निराकरण और काउंसलिंग सुनिश्चित करने के निर्देश महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारियों को दिए गए।

एनएसयूआई रीवा में सामूहिक इस्तीफे से संगठन में असंतोष जिला उपाध्यक्ष मानवेन्द्र सिंह गहरवार समेत कई पदाधिकारियों ने प्रदेश अध्यक्ष को सौंपा इस्तीफा



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। एनएसयूआई जिला रीवा में संगठनात्मक गतिविधियों और जिला नेतृत्व की कार्यप्रणाली को लेकर असंतोष सामने आया है। जिला उपाध्यक्ष मानवेन्द्र सिंह गहरवार सहित जिला उपाध्यक्ष अभिराज बौद्ध, जिला महासचिव राजवीर कुशवाहा, जिला कोषाध्यक्ष पुष्पेंद्र पटेल और अन्य पदाधिकारियों ने प्रदेश अध्यक्ष को अपने-अपने पदों से इस्तीफा सौंपा है प्रेस वार्ता में मानवेन्द्र सिंह गहरवार ने कहा कि उन्होंने संगठन में रहते हुए छात्र-छात्राओं की समस्याओं और उनके अधिकारों के लिए निष्ठा के साथ काम किया लेकिन वर्तमान जिला नेतृत्व की कार्यप्रणाली से वे असहमत हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विभिन्न महाविद्यालयों में छात्रों के वास्तविक मुद्दों के बजाय अन्य मामलों को उठाकर प्राचार्यों और प्रोफेसरों पर दबाव बनाने तथा बाद में कथित आर्थिक लेन-देन के जरिए मामलों को समाप्त करने का प्रयास किया जाता है उन्होंने पदाधिकारियों पर भी आर्थिक संसाधन जुटाने के लिए दबाव बनाए जाने का आरोप लगाया।

एपीएसयू प्रदर्शन को लेकर भी आरोप: गहरवार ने अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय (एपीएसयू) में हाल के प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि एनएसयूआई ने छात्र कार्यक्रम के लिए अनुमति मांगी थी अनुमति नहीं मिलने और एबीवीपी को सभागार उदलब्ध कराए जाने के विरोध में प्रदर्शन किया गया था उनका आरोप है कि बाद में छात्र हित के मूल मुद्दे से हटकर विश्वविद्यालय के एक विभाग के प्रोफेसर एवं डायरेक्टर को व्यक्तिगत रूप से निशाना बनाया गया और कथित आर्थिक समझौते का प्रयास किया गया गहरवार ने कहा कि उनके पास संबंधित मामलों से जुड़ी बातचीत और आर्थिक लेन-देन से संबंधित कुछ प्रमाण हैं आवश्यकता पड़ने पर वे इन्हें प्रदेश नेतृत्व के समक्ष प्रस्तुत करने को तैयार हैं उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोप सही पाए जाने पर संगठनात्मक कार्रवाई की मांग की उन्होंने कहा कि इस्तीफा व्यक्तिगत द्वेष के कारण नहीं बल्कि संगठन की विचारधारा और सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता के चलते दिया है वे संगठन के प्रति सम्मान बनाए रखेंगे लेकिन वर्तमान जिला नेतृत्व के साथ काम करना उनके लिए संभव नहीं है सामूहिक इस्तीफों के बाद अब संगठन के प्रदेश नेतृत्व की प्रतिक्रिया और आगे की कार्रवाई पर नजर है संबंधित आरोपों पर जिला नेतृत्व का पक्ष सामने आने के बाद स्थिति और स्पष्ट होगी।

एशियाड में उपलब्धि, ओलंपिक की चुनौती

हम संतोष कर सकते हैं कि एशियाई खेलों में भारत चौथे स्थान पर रहा है। इस प्रतिष्ठित खेल स्पर्धा में भारतीय खिलाड़ियों ने कुल 85 पदक जीते। जिसमें 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदक शामिल हैं। आइवी-नागोया में संपन्न एशियाई खेलों के आखिरी दिनों में भारतीय खिलाड़ियों ने दमकम दिखा कर सोने के समगों की संख्या बढ़ाई है। निस्संदेह, कह सकते हैं कि हम एशिया में पहले चार देशों में शुमार हैं। लेकिन यहां सवाल यह है कि भले ही हम चौथे स्थान पर रहे हैं, लेकिन इन खेलों में नंबर

एक व दो रहे चीन व जापान के आगे हम कहां खड़े हैं? इस बार भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने यह भी सोचने को मजबूर किया कि आने वाले कुछ दशकों में भारत ओलंपिक की दावेदारी में कहां ठहरता है? वैसे इस बार के एशियाई खेलों से जुड़ी कुछ सुखद स्मृतियां भी हैं, मसलन तीरंदाजी में हमने नो मेडल जीते हैं। जिसमें पांच स्वर्ण पदक शामिल हैं।

सुखद यह भी है कि कुमकुम मोहोद रिक्व कैटगरी में भारत की पहली व्यक्तिगत उपलब्धि हासिल करने वाली खिलाड़ी बनीं। भारतीय

खिलाड़ियों को बॉक्सिंग और रेसलिंग में क्रमशः तीन और दो स्वर्ण पदक मिले। वहीं दूसरी ओर प्रणवी उर्स

संपादकीय

गोल्फ गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं हैं। वहीं दूसरी ओर इस बार भी भारतीय खिलाड़ियों ने क्रिकेट, हॉकी और कबड्डी में अपना चरंचस् कायम रखा। महिला हॉकी में भारतीय खिलाड़ियों की उपलब्धि बहुत खास रही। उन्होंने

अनुशासन और ऊंचे मनोबल के साथ बेहतर खेल का प्रदर्शन किया। भारतीय महिला हॉकी टीम ने

मौजूदा चैंपियन चीन को हराकर एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक का 44 साल का हमारा

इंतजार खत्म किया। लेकिन हमारे खिलाड़ी एथलेटिक्स में हमारी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। एकमात्र स्वर्ण महिलाओं की 4× 400 मीटर रिले रेस में हासिल हुआ। निशानेबाजों का

प्रदर्शन भी उसाह जगाने वाला नहीं रहा। इस बार हमें, पिछले ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने वाली मनु भाकर ने निराश किया। वह इस बार खाली हाथ लौटी हैं। वैसे पिछली बार चीन में हुए एशियाई खेलों से तुलना करें तो इस बार हमारा प्रदर्शन फीका रहा। तब हमने 28 स्वर्ण पदकों के साथ 106 मेडल जीते थे। इस बार सात स्वर्ण समेत कुल 21 पदकों की कमी, हमारे खेल नीति-नियंताओं के लिये एक चेतावनी जैसी है। हालांकि, यह वकत हमारे लिये नागोया में मिली कामयाबियों का जश्न मनाने का है।

लेकिन हमें अपनी कमजोरियों को लेकर भी आत्ममथन करने की जरूरत है। निस्संदेह, भारत में खेलों का भविष्य चंद खिलाड़ियों की कामयाबी से तय नहीं किया जा सकता है। हमें एशियाड के बाद ओलंपिक के लिये युद्ध स्तर पर तैयारियां करनी होंगी। इस कामयाबी के लिये नई प्रतिभाओं की पहचान, विश्व स्तरीय प्रशिक्षण, मानसिक रूप से सशक्त खिलाड़ी तैयार करने तथा विश्वस्तरीय स्पोर्ट सिस्टम बनाने की जरूरत होगी। इन एशियाई खेलों ने हमें हकीकत का आईना दिखाया है।

रियल लाइफ हीरो रिमत मच्छर को दुनिया का सलाम

मनोज कुमार अग्रवाल

कैप्टन रिमत मछर एक भारतीय पायलट हैं जिन्होंने फ्लाईदुबई की उड़ान में सह-पायलट के हमले और गंभीर खतरे के बावजूद अदम्य साहस दिखाते हुए 180 यात्रियों की जान बचाई।आपने हालीवुड बालीवुड की बहुत सारी फिल्मों में अनेक हीरो फिल्मी परदे पर देखे होंगे जो कहानी की मांग के अनुसार अपनी बहादुरी का अभिनय कर दर्शकों की वाहवाही लुटते हैं लेकिन भारतीय पायलट रिमत मच्छर ने रियल लाइफ में असामान्य परिस्थितियों में आसमान में अपने साहस, धैर्य और कौशल से भारत का नाम रोशन कर दिया। जब आसमान में आफत हो, उन पर चाकू से वार हो, वह लहूलुहान हो... ऐसी विपरीत असामान्य जोखिम भरी कठिन परिस्थितियों में उन्होंने अपनी जान पर खेल कर 174 विमान यात्रियों का जीवन बचा लिया। वह रियल लाइफ के वास्तविक हीरो हैं आज पूरी दुनिया उनकी साहस और सूझबूझ को सलाम कर रही है हर भारतीय का सिर उन्होंने गर्व और सम्मान से ऊंचा कर दिया है और दुनिया को बता दिया है कि भारतीय जांबाज कटिन से कठिन परिस्थितियों में भी हिम्मत होसले और सूझबूझ से बड़ी से बड़ी मुसीबत से टकराने और अपनी जान की बाजी लगा कर भी निर्दोषों की जान बचाने का जिगरा रखते हैं। आज दुनिया के साथ-साथ देश को रिमत पर नाज है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर दुनिया के कई राष्ट्राध्यक्षों ने उनकी इस वीरता को सलाम किया है।

आपको पता है कि 30 सितंबर 2026 को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान में एक अत्यंत गंभीर स्थिति पैदा हुई। रिपोर्टों के अनुसार, सह-पायलट ने कॉकपिट में रिमत मच्छर पर चाकू से हमला किया और विमान को क्रेश करने की कोशिश की। लेकिन उन्होंने नियंत्रण और परिस्थितियों पर अपनी पकड़ बनाए रखी। संकट की इस घड़ी में विमान को सऊदी अरब के ताबुक में उतारा गया और विमान में सवार 174 यात्रियों की जान बच गई। इस घटना की भयावहता का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि कुछ ही मिनटों में सैकड़ परिवारों के जीवन में अंधेरा छ स सकता था। विमान आकाश में था, कॉकपिट में हमलावर चाकू से हमला कर रहा था और पायलट रिमत स्वयं गंभीर रूप से घायल था। गंभीर रूप से घायल और खून से लथपथ होने के बाद भी कैप्टन रिमत ने सूझबूझ दिखाई और कॉकपिट का दरवाजा खोलकर कू व यात्रियों को सवक किया। ऐसे समय में घबराहट स्वाभाविक होती है, लेकिन मच्छर ने अपने व्यक्तिगत दर्द और भय से ऊपर यात्रियों की सुरक्षा का ध्यान में रखा। यही कर्तव्य-बोध किसी सामान्य पेशेवर को असाधारण बना देता है। रिमत मच्छर की कहानी प्रशिक्षण और पेशेवर अनुशासन का परिणाम है।

जानकारी के अनुसार व लंबे समय तक स्पाइसजेट में कार्य कर चुके हैं और जून 2022 से फ्लाईदुबई के बोइंग 737 बेडे में कैप्टन के रूप में कार्यरत हैं। रिपोर्टों में उनके लगभग 9,750 घंटे के उड़ान और 12 सलन का लंबा अनुभव है। अनुभव चाहे किंतना ही लंबा क्यों न हो, लेकिन जब कोई मुसीबत में होता है या उस पर हमला होता है तो अच्छ-खासा इंसान हिम्मत खो देता है और हार जाता है। खुशी इस बात की है कि रिमत ने हिम्मत से काम लिया। उन्होंने अपने से अधिक विमान यात्रियों की जीवन सुरक्षा को प्राथमिकता दी, जिस कारण वह दुनिया के हीरो बन गए। उनकी बहादुरी की चर्चा भारत तक सीमित नहीं रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें हीरो बताते हुए कहा कि गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद उन्होंने दूसरों की जान बचाने के लिए असाधारण साहस दिखाया और बड़ी त्रासदी को टालने में मदद की। इंजारयल के प्रधानमंत्री बेजाविम नेतृत्वाइ सहित जहां के लोगो ने भी भारतीय पायलट के प्रति आभार व्यक्त किया है, क्योंकि विमान में बड़ी संख्या में भारतीय महिला यात्री सवार थे। रिमत को बधाई देने में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी शामिल रहे। उन्होंने भी रिमत की पीठ थपथपाई। थोड़ा पीछे जाएं तो 1986 में नीरजा ने आतंकवादियों के सामने अद्भुत साहस दिखाकर यात्रियों की जान बचाई थी। आज रिमत मच्छर का साहस भी उसी मानवीय परंपरा की एक नई कड़ी दिखाई देता है। दोनों की वीरता हमको प्रेरित करती है। साथ ही, यह बताती है कि धैर्य, सम्पूर्ण और वीरता से कुछ भी हासिल किया जा सकता है। रिमत के साहस की घटना इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि कि विमान में तमाम यात्री थे। अगर वो जरा भी विचलित होते तो सैकड़ों यात्रियों की जान जा सकती थी।

गंभीर चोटों के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए अरू धाबी शिफ्ट किया गया है, जहां उनके स्वास्थ्य पर लगातार नजर रखी जा रही है।

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक अर्थव्यवस्था के बदलते परिदृश्य में शनिवार दिनांक 3 अक्टूबर 2026 का दिन भारत के लिए आर्थिक संभावनाओं और वित्तीय चुनौतियों का एक महत्त्वपूर्ण संगम प्रस्तुत कर रहा है। एक ओर भारत मुक्त व्यापार समझौतों के माध्यम से विश्व की लगभग 75 से 80 प्रतिशत अर्थव्यवस्था तक व्यापारिक पहुंच बनाने, बता दें भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता 20 अक्टूबर 2026 से प्रभावी होने के लिए निर्धारित है।ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पशुपालन एवं सहकारिता से सशक्त करने और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को गति देने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तो दूसरी ओर भारतीय शेयर बाजार की लगातार आठ सप्ताह की गिरावट, 25 साल बाद गिरावट का सबसे लंबा दौर, 8 हफ्ते में 26 लाख करोड़रुपए डूबे।विदेशी मुद्रा भंडार में 18.34 अरब डॉलर की कमी,विदेशी निवेशकों की बिकवाली और भारतीय रिजर्व बैंक की संभावित ब्याज दर वृद्धि ने आर्थिक विमर्श को नई गंभीरता प्रदान की है।यह परिस्थितियां केवल शेयर सूचकांकों के उतार-चढ़ाव को कहानी नहीं हैं, बल्कि भारत की आर्थिक सहनशीलता, निवेशकों के विश्वास, मुद्रा स्थिरता और वैश्विक

प्रतिस्पर्धा की व्यापक परीक्षा भी हैं।मौद्रिक नीति समिति की बैठक 5 से 7 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित है।7 अक्टूबर को संभावित नीति निर्णय की तारीख के रूप में देखा जा रहा है। यटर्स की 28 सितंबर की रिपोर्ट में अर्थशास्त्रियों के सर्वेक्षण के आधार पर लगभग 60 प्रतिशत प्रतिभागियों ने 25 आधार अंक की वृद्धि की अपेक्षा व्यक्त की थी। यह संकेतन आधारित अपेक्षा है, आरबीआई का घोषित निर्णय नहीं।भारतीय रिजर्व बैंक (आरबी आई) 2027 की पहली छमाही तक ब्याज दरों में कुल 100 बेसिस पॉइंट (1 प्रतिशत अंक) की बढ़ोतरी कर सकता है। बैंक ऑफ अमेरिका (बोफा) सिक्वोरिटीज ने अपनी पहली दर वृद्धि के अनुमान को दिसंबर से आगे बढ़ाकर अक्टूबर कर दिया है।अपनी ताजा इंडिया व्यूपॉइंट रिपोर्ट में बोफा सिक्वोरिटीज ने कहा कि,उसे उम्मीद है कि आरबी आई 7 अक्टूबर को होने वाली मौद्रिक नीति समिति की बैठक में रेपो रेट में 25 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी करेगा।इसके



बाद 75 बेसिस पॉइंट की और बढ़ोतरी की उम्मीद है, जिससे अनुमानित अंतिम रेपो रेट 6.25 प्रतिशत तक पहुंच सकता है।

साथियों, बाद अगर हम वैश्विक व्यापार में भारत की बढ़ती आर्थिक महत्वाकांक्षा को समझने की करें तो दिनांक 3 अक्टूबर 2026 को भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री द्वारा मुक्त व्यापार समझौतों के माध्यम से को नई गंभीरता प्रदान की है।यह परिस्थितियां वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की भागीदारी बढ़ाने पर दिया गया जोर आर्थिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है। भारत का उद्देश्य केवल वस्तुओं का निर्यात बढ़ाना नहीं, बल्कि भारतीय उद्योगों,सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों, कृषि प्रसंस्करण,वस्त्र,औषधि और अभियांत्रिकी उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धी अवसर उपलब्ध कराना है।वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 75-80 प्रतिशत तक संभावित व्यापारिक पहुंच का लक्ष्य भारत की आर्थिक कूटनीति का एक महत्त्वपूर्ण आयाम है।हालांकि इस अवसर का वास्तविक लाभ तभी प्राप्त होगा जब भारतीय उत्पाद गुणवत्ता, मूल्य,तकनीक और समयबद्ध आपूर्ति के अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरे उतरेंगे।मुक्त व्यापार समझौतों का उद्देश्य बाजार खोलना है, लेकिन घरेलू उद्योगों का तोना ही आवश्यक है।

साथियों बात अगर हम पशुपालन और सहकारिता से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा इसको समझने की करें तो केंद्रीय सहकारिता एवं गृह मंत्री द्वारा 3 अक्टूबर 2026 को कहा पशुपालन आधारित घनतन के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की अवधारणा भारत की समावेशी विकास यात्रा से जुड़ी है।भारत में

पशुपालन केवल दूध उत्पादन का साधन नहीं,बल्कि ग्रामीण परिवारों की अतिरिक्त आय,महिला सशक्तीकरण सहकारी संस्थाओं, पशु चिकित्सा, चारा उत्पादन और खाद्य प्रसंस्करण की विस्तृत आर्थिक श्रृंखला है।यदि दुग्ध सहकारी समितियों को आधुनिक तकनीक,शीत भंडारण, सुलभ ऋण और बाजार उपलब्धता से जोड़ा जाए, तो ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार तथा स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिल सकता है। विकसित भारत की वास्तविक सफलता का आकलन केवल महानगरों की आर्थिक गतिविधियों से नहीं, बल्कि गांवों के किसान, पशुपालक और छोटे उद्यमी की आय में होने वाली वृद्धि से भी किया जाना चाहिए।पशुपालन से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को कैसे जोड़ा जाए?पशुपालन को केवल दूध उत्पादन तक सीमित नहीं देखा जाना चाहिए।इसके अंतर्गत दुग्ध सहकारी समितियां पशु चिकित्सा, चारा उत्पादन, नस्ल सुधार, दुग्ध प्रसंस्करण, शीत भंडारण, ग्रामीण ऋण और विपणन जैसी गतिविधियां आती हैं।इसका आर्थिक प्रभाव निम्न क्षेत्रों में समझाया जा सकता है: ग्रामीण परिवारों के लिए कृषि के अतिरिक्त आय का स्रोत। महिला स्वयं सहायता समूहों और सहकारी समितियों की भागीदारी।ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे उद्यम और रोजगार।दूध, मांस, चमड़ा और संबंधित उत्पादों की मूल्य श्रृंखला।ग्रामीण मांग के माध्यम से व्यापक अर्थव्यवस्था को समर्थन। साथियों बात अगर हम पांचवां कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन और वित्तीय स्थिरता का संदेश को समझने की करें तो,नई दिल्ली में 3 से 5 अक्टूबर 2026 तक आयोजित पांचवां कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन

वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के बीच विशेष महत्त्व रखता है।इस वर्ष की विषयवस्तु है: रेसिलिन्स इन एन एंज ऑफ़ फ्लक्स अर्थात परिवर्तनशील वैश्विक परिस्थितियों में आर्थिक लचीलापन।वित्त मंत्रालय की आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार इसमें लगभग 30 देशों के अर्थशास्त्रियों नीति निर्माताओं और वित्तीय विशेषज्ञों की भागीदारी निर्धारित है।भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर ने वित्तीय जोखिमों के प्रति सतर्कता का संदेश देते हुए संकेत दिया कि वित्तीय दबाव अचानक उभर सकते हैं,जबकि उन्हें दूर करने में वर्षों लग सकते हैं।पश्चिम एशिया का संघर्ष,ऊर्जा कीमतों में वृद्धि,वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल और पूंजी प्रवाह मेंबदलाव आर्थिक स्थिरता को प्रभावित करने वाले कारक हैं।भारत की सरकारी बॉन्ड प्रतिफल में अपेक्षाकृत सीमित वृद्धि को वित्तीय और मौद्रिक प्रबंधन के संदर्भ में देखा जा रहा है।यह संदेश स्पष्ट करता है कि आर्थिक विकास के साथ वित्तीय जोखिमों की समय रहते पहचान और उनका प्रबंधन भी आवश्यक है। साथियों बात अगर हम विदेशी मुद्रा भंडार में 18.34 अरब डॉलर की कमी का दावा प्रकाशित करने से पहले उसके आधार की पुष्टि आवश्यक है।उपलब्ध रिपोर्टों में इसी अवधि के दौरान बाजार पूंजीकरण में 26 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी का आंकड़ा सामने आया है। साथियों बात अगर हम आरबीआई की संभावित ब्याज दर वृद्धि: आम आदमी पर क्या प्रभाव? इसको समझने की करें तो, भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक अन्य महत्त्वपूर्ण घटनाक्रम बैंक ऑफ अमेरिका सिक्वोरिटीज का अनुमान है। उसकी रिपोर्ट के अनुसार आरबीआई 2027 की पहली सप्ताह में कुल कमी लगभग 38.15 अरब डॉलर रही। विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में 15.57 अरब डॉलर तथा स्वर्ण भंडार में लगभग 2.59 अरब डॉलर की कमी दर्ज हुई। इस गिरावट को समझने के लिए रुपये पर दबाव, विदेशी मुद्रा बाजार में केंद्रीय बैंक की संभावित हस्तक्षेप और यूरो तथा येन जैसी मुद्राओं के डॉलर के मुकाबले मूल्योंकन में बदलाव को ध्यान में रखना आवश्यक है।विदेशी मुद्रा भंडार में कमी को सीधेआर्थिक संकट कहना उचित नहीं होगा, क्योंकि भारत का भंडार अभी भी व्यापक बाहरी भुगतान क्षमता का आधार है। फिर भी लगातार गिरावट नीति निर्माताओं और निवेशकों के लिए निगरानी का विषय अवश्य है। साथियों बात अगर हम शेयर बाजार की

आठ सप्ताह की गिरावट: निवेशकों की चिंता क्यों बढ़ी? इसको समझने की करें तो भारतीय शेयर बाजार ने हाल के वर्षों की सबसे लंबी लगातार साप्ताहिक गिरावटों में से एक दर्ज की है। सेंसेक्स और निफ्टी लगातार आठ सप्ताह नीचे बंद हुए, जो लगभग 25 वर्षों की सबसे लंबी ऐसी अवधि बताई गई है। विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि, रुपये की कमजोरी और वैश्विक भू- राजनीतिक तनाव ने बाजार की धारणा को प्रभावित किया। विदेशी निवेशकों की पूंजी निकासी का दबाव विशेष रूप से उल्लेखनीय है। 2 अक्टूबर की रिपोर्ट के अनुसार केवल तीन करोड़ों दिनों में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयरों से लगभग 29,613 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की। अमेरिकी 10-वर्षीय बॉन्ड प्रतिलफल में वृद्धि और कच्चे तेल की कीमतों का 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर रहना निवेशकों की चिंता के प्रमुख कारणों में शामिल रहे।आठ सप्ताह में निवेशकों की संपत्ति में 45 लाख करोड़ रुपये के अनुमान आरबीआई 2027 की पहली छमाही तक रेपो दर में कुल 100 आधार अंक अर्थात एक प्रतिशत अंक की वृद्धि कर सकता है। इसमें अक्टूबर की मौद्रिक नीति बैठक में 25 आधार अंक की संभावित वृद्धि और उसके बाद अतिरिक्त 75 आधार अंक की वृद्धि का अनुमान शामिल है। इस परिदृश्य में रेपो दर 6.25 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। यह विशेषणामक अनुमान है, आरबीआई का घोषित निर्णय नहीं। यदि ब्याज दरें बढ़ती हैं, तो गृह ऋण, वाहन ऋण और व्यावसायिक उधारी की लागत प्रभावित हो सकती है। दूसरी ओर, मौद्रिक सख्ती महंगाई के दबाव को नियंत्रित करने में सहायक हो सकती है। इसलिए आरबीआई के सामने आर्थिक विकास, महंगाई और वित्तीय स्थिरता के बीच संतुलन बनाए रखने की चुनौती रहेगी।

करुणा और संवेदनशीलता से ही जीवित रहती है मानवता

-कालिलाल मांडेत

मनुष्य अकेले अपने जीवन की प्रत्येक आवश्यकता पूरी नहीं कर सकता। उसके जीवन की अनेक आवश्यकताएं प्रकृति और असंख्य जीवों के सहयोग से पूरी होती हैं। जल, वायु, अन्न, वनस्पतियां और पशु-पक्षी जीवन-व्यवस्था के महत्वपूर्ण अंग हैं। इसलिए अन्य प्राणियों के प्रति दया और संरक्षण केवल धार्मिक भावना नहीं, बल्कि मनुष्य का नैतिक दायित्व भी है। जिस प्रकृति और जीव-जगत से मनुष्य निरंतर प्राप्त करता है, उसके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना उसके जीवन की जिम्मेदारी है। करुणा मनुष्य को अधिकारों के साथ कर्तव्यों का बोध भी कराती है।

मानव समाज में रहने वाला प्रत्येक व्यक्ति एक-दूसरे का सहयात्री है। किसी के जीवन में सुख है तो किसी के हिस्से में संघर्ष और अभाव भी हो सकता है। ऐसे में दूसरे के दुःख को देखकर मुह फेर लेना संवेदनशील समाज की पहचान नहीं हो सकती। आर्थिक असमानता के बीच संपन्न व्यक्ति का दायित्व और बड़ जाता है। समाज में ऐसे अनेक परिवार हैं जो सीमित साधनों में जीवनयापन करते हैं और उनकी छोटी-छोटी आवश्यकताएं भी संघर्ष का कारण बन जाती हैं। दूसरी ओर यदि संपन्न व्यक्ति अपनी समृद्धि का प्रदर्शन करते हुए केवल मुह फेर सुख में डूबा रहे तो सामाजिक दूरी और असंतोष बढ़ सकता है। करुणा का अर्थ केवल किसी जरूरतमंद को वस्तु या धन देना नहीं है। किसी की पेशानी को समझना, उसके आत्मसम्मान का ध्यान रखना,



संकट में उसके साथ खड़ा होना और आवश्यकता पड़ने पर सहयोग का हाथ बढ़ाना भी करुणा का ही रूप है। संवेदनशीलता मनुष्य को दूसरों की परिस्थितियों को समझने की दृष्टि देती है। जब हृदय में करुणा होती है तो रिशतों में कठोरता कम होती है और परस्पर विश्वास बढ़ता है। परिवार, समाज और राष्ट्र की मजबूती के पीछे ऐसी ही मानवीय भावनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। आज के समय में भौतिक उपलब्धियों की दौड़ तेज होती जा रही है। व्यक्ति सफलता, संपत्ति और प्रतिष्ठा को जीवन का प्रमुख लक्ष्य मानने लगा है। ऐसे वातावरण में करुणा और संवेदनशीलता का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। हमें यह समझना होगा कि किसी समाज की वास्तविक समृद्धि केवल उसकी आर्थिक स्थिति से नहीं मापी जा सकती। समाज किंतना मानवीय है, कमजोर और जरूरतमंद लोगों के प्रति उसका

व्यवहार कैसा है और संकट की घड़ी में लोग एक-दूसरे के कितने काम आते हैं, यह भी उसकी प्रगति का महत्वपूर्ण आधार है।

मन को करुणा पारस्परिक संबंधों को मधुर बनाती है। संवेदनशील व्यक्ति केवल अपने हित की चिंता नहीं करता, बल्कि अपने आसपास के लोगों के सुख-दुःख को भी समझता है। यही भावना परिवार से समाज और समाज से राष्ट्र तक फैलती है। मानवता की आधारभूमि पारस्परिकता है। पारस्परिकता तभी मजबूत हो सकती है जब उसमें प्रेम, सहयोग, सहानुभूति और विश्वास का समावेश हो। इसलिए करुणा को कमजोरी नहीं, बल्कि मनुष्य के चरित्र की शक्ति के रूप में देखा चाहिए।

सार्थक और निर्दोष जीवन जीने की कला है

धर्म

धर्म मानव जीवन को दिशा देने वाली महत्वपूर्ण अवधारणा है, लेकिन समय के साथ धर्म की व्याख्याएं इतनी जटिल होती गई कि उसके मूल उद्देश्य को समझना कठिन हो गया। अलग-अलग परंपराओं और संप्रदायों ने धर्म को अपने-अपने दृष्टिकोण से परिभाषित किया है। इन व्याख्याओं में विविधता स्वाभाविक है, लेकिन धर्म के ऐसे मूल तत्व भी हैं जिन्हें सभी मनुष्यों के लिए उपयोगी माना जा सकता है। सत्य, संयम, सदाचार, अहिंसा, करुणा, आत्मसंयम और परोपकार जैसी प्रवृत्तियां किसी एक संप्रदाय की सीमाओं में बंधी नहीं हैं।

धर्म की सबसे व्यापक उपयोगिता चरित्र निर्माण में दिखाई देती है। यदि धर्म मनुष्य को अपने आचरण को शुद्ध करने, गलत प्रवृत्तियों पर नियंत्रण रखने और दूसरों के प्रति न्यायपूर्ण व्यवहार करने की प्रेरणा देता है तो वह जीवन को सार्थक बनाने का माध्यम बन जाता है। केवल पूजा-पढ़ाई, धार्मिक अनुष्ठान या बाहरी आडंबर धर्म का संपूर्ण स्वरूप नहीं हो सकते। धर्म का वास्तविक प्रभाव मनुष्य के व्यवहार में दिखाई देना चाहिए। उसके विचारों में सत्य, वाणी में मधुरता और कर्मों में सदाचार दिखाई दे तो धर्म जीवन का हिस्सा बनता है। हर व्यक्ति परिवार और समाज का अंग है। इसलिए उसे को विकसित करने के लिए समाज की व्यवस्था, शांति और सुरक्षा को नुकसान पहुंचाता है कि व्यक्ति अपने स्वार्थ के लिए समाज की व्यवस्था, शांति और सुरक्षा को नुकसान पहुंचाता है तो उसका आचरण सामाजिक जीवन के लिए

बाधक बन जाता है। इसके विपरीत जब व्यक्ति अपने आचरण में मर्यादा, जिम्मेदारी और नैतिकता को स्थान देता है तो वह स्वयं भी शांतिपूर्ण जीवन जीता है और दूसरों के लिए भी सुखद वातावरण बनाता है। धर्म का रचनात्मक स्वरूप मनुष्य को भीतर से बदलने में सक्षम होता है। घरे के कारण किया गया अच्छा व्यवहार परिस्थितियों के बदलते ही समाप्त हो सकता है, लेकिन विवेक और संस्कार से विकसित सदाचार लंबे समय तक कायम रहता है। इसलिए धर्म को केवल बाहरी अनुशासन के रूप में नहीं, बल्कि आत्मअनुशासन के रूप में समझना आवश्यक है। जब व्यक्ति अपने भीतर के दोषों को पहचानकर उन्हें दूर करने का प्रयास करता है, तब धर्म उसके जीवन में वास्तविक परिवर्तन लाता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि धर्म की उन शिक्षाओं को प्रमुखता दी जाए जो मनुष्य को जोड़ती हैं, बांटती नहीं। करुणा, अहिंसा, सत्य, संयम, सेवा और परोपकार ऐसे मूल्य हैं जो किसी भी स्वस्थ समाज की नींव बन सकते हैं। धर्म यदि मनुष्य को अधिक संवेदनशील, अधिक जिम्मेदार और अधिक सदाचारी बनाता है तो समाज में सदाचार का अधिक संवेदनशीलता, अधिक निष्ठा और अधिक उपयोगिता स्वतः सिद्ध हो जाती है। मानवता और धर्म एक-दूसरे के पूरक हैं। करुणा मनुष्य के हृदय को कोमल बनाती है और धर्म उसके आचरण को दिशा देता है। जब संवेदनशीलता के साथ सदाचार जुड़ता है तो जीवन में वास्तविक मानवीयता विकसित होती है। इसलिए धर्म की सच्ची सेवा यही है कि वह मनुष्य को निर्दोष, सार्थक और लोकहितकारी जीवन जीने की प्रेरणा दे।

मानव सभ्यता ने ज्ञान, विज्ञान और

तकनीक के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति

की है। मनुष्य को बौद्धिक रूप से

संसार का समर्थ प्राणी माना जाता

है। उसके पास सोचने, समझने,

निर्णय लेने और परिस्थितियों को

बदलने की अद्भुत क्षमता है। लेकिन

मनुष्य की वास्तविक श्रेष्ठता केवल

उसकी बुद्धि और उपलब्धियों में

नहीं, बल्कि उसके भीतर मौजूद

करुणा, संवेदनशीलता और सह-

अस्तित्व की भावना में निहित है।

यदि मनुष्य के हृदय से करुणा

समाप्त हो जाए और दूसरे के सुख-

दुःख के प्रति संवेदनशीलता समाप्त

हो जाए तो ज्ञान और संपन्नता के

बावजूद मानवता का वास्तविक अर्थ

अधूरा रह जाता है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा सेतु शिविर में ग्रामीणों को मिली एक ही स्थान पर अनेक शासकीय सेवाएं

सेवा सेतु शिविर में आवास चाबी, आयुष्मान कार्ड, प्रमाण पत्र, कृषि योजनाओं सहित विभिन्न योजनाओं का ग्रामीणों को मिला लाभ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज मनेन्द्रगढ़ विकासखंड में स्वामी आत्मानंद उक्कूट विद्यालय के मैदान में सेवा सेतु शिविर का आयोजन किया गया शिविर का उद्देश्य ग्रामीणजनों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विभिन्न विभागों की सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध करना तथा पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही योजनाओं से जोड़ना रहा शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन पहुंचे और विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक सेवाओं का लाभ लिया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजेश साहू, जनपद पंचायत अध्यक्ष जानकी बाई कुसरो, कलेक्टर संतन देवी जांगड़े, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकिता सोम, जनपद मुख्य कार्यपालन अधिकारी वैशाली सिंह, तहसीलदार श्रुति धुवें, समीर शर्मा, जनपद सदस्य, समस्त सरपंचागण, जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में



ग्रामीणजन उपस्थित रहे कार्यक्रम का शुभारंभ जनप्रतिनिधियों द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात राष्ट्रीय गीत, राष्ट्रगान एवं राज्य गीत का गायन हुआ और मुख्य अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के बाद जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा ग्रामीणों को दी जा रही योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी ली ग्रामीणों को योजनाओं से जोड़ना शिविर का मुख्य उद्देश्य जनपद मुख्य कार्यपालन

अधिकारी वैशाली सिंह ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित सेवा सेतु शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणजनों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ पहुंचाना है इस शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा ग्रामीणों को एक ही स्थान पर अनेक शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है पात्र हितग्राहियों को आवास की चाबी, जाति, आय एवं निवास प्रमाण पत्र तथा आयुष्मान कार्ड सहित विभिन्न



योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है उन्होंने कहा कि सेवा सेतु शिविर के माध्यम से शासन की योजनाओं को ग्रामीणों के द्वार तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें शिविर का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का मौके पर निराकरण करते हुए उन्हें शासन की योजनाओं से जोड़ना और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ तत्काल उपलब्ध कराना है एक परिसर में अनेक विभागों

की सेवाएं उपलब्ध जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजेश साहू ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित सेवा सेतु शिविर शासन की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने की महत्वपूर्ण पहल है। इस शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को अलग-अलग शासकीय कार्यालयों में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी बल्कि एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की योजनाओं और सेवाओं की जानकारी तथा आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों का आधार कार्ड अपडेट नहीं हुआ है आयुष्मान कार्ड,

रशन कार्ड या श्रम पंजीयन नहीं हो पाया है वे शिविर में पहुंचकर संबंधित विभाग के स्टॉल से आवश्यक प्रक्रिया पूरी करा सकते हैं किसानों के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, बीज एवं कृषि संबंधी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है वहीं पात्र हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास की चाबी जॉब कार्ड सहित अन्य योजनाओं का लाभ भी दिया जा रहा है उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक सुविधाएं पहुंचाना है सेवा सेतु शिविर इसी सोच को धरातल पर उतारने का माध्यम है उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे शिविर में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचें विभागीय स्टॉलों पर उपलब्ध सेवाओं की जानकारी लें और पात्रता के अनुसार योजनाओं का लाभ उठाएं नुककड़ नाटक से दिया जनजागरूकता का संदेश शिविर में जन सेवा से राष्ट्र सेवा तक की भावना के साथ विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा साइबर अपराध स्वच्छता अभियान जल बचाओ एवं सड़क सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अलग-अलग नुककड़ नाटक प्रस्तुत किए गए।

सेवा संकल्प अभियान में सामने आई सुहानी जायसवाल की कहानी, महतारी वंदन योजना से मिल रहा आर्थिक संबल



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों की सफलता की कहानियां सामने आ रही हैं इसी कड़ी में मनेन्द्रगढ़ विकासखंड के ग्राम भल्लौर निवासी सुहानी जायसवाल महतारी वंदन योजना से लाभान्वित हो रही हैं सुहानी जायसवाल की महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने 1,000 की आर्थिक सहायता प्राप्त हो रही है अब तक उन्हें योजना के तहत 31 किस्तों में कुल 31,000 की राशि प्राप्त हो चुकी है नियमित रूप से मिलने वाली यह आर्थिक सहायता उनके लिए अपनी जरूरतों को पूरा करने में उपयोगी साबित हो रही है सुहानी बताती हैं कि योजना से मिलने वाली राशि का उपयोग वे अपनी छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ बच्चों की पढ़ाई-लिखाई में करती हैं इसके अलावा जरूरत के अनुसार वे इस राशि से अपने लिए आवश्यक सामान भी खरीद लेती हैं उनके अनुसार हर महीने मिलने वाली 1,000 की सहायता से उन्हें अपनी आवश्यकताओं के लिए आर्थिक सहाय मिलता है। बच्चों की पढ़ाई-लिखाई में राशि का उपयोग कर पाने से भी उन्हें सुविधा मिलती है। नियमित आर्थिक सहायता उनके लिए रोजमर्रा के छोटे-मोटे खर्चों को पूरा करने में मददगार बनी हुई है सुहानी जायसवाल ने महतारी वंदन योजना से मिल रहे लाभ के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया उन्होंने बताया कि योजना के माध्यम से मिलने वाली नियमित सहायता से वे अपनी छोटी-छोटी जरूरतों के साथ बच्चों की पढ़ाई-लिखाई में भी सहयोग कर पा रही हैं।

तेंदूपत्ता की बढ़ी दर से कुसुम की मेहनत को मिला बेहतर मोल, चेहरे पर आई खुशी बचपन में माता-पिता के साथ जंगल जाकर तोड़ती थीं तेंदूपत्ता बढ़ा पारिश्रमिक बना परिवार के लिए आर्थिक संबल



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जंगल की पगडंडियों से कुसुम का रिश्ता बचपन का है कभी माता-पिता के साथ जंगल जाकर छोटे-छोटे हाथों से तेंदूपत्ता तोड़ने वाली कुसुम आज भी उसी मेहनत से अपने परिवार की आजीविका में सहयोग कर रही हैं वर्षों से जारी इस मेहनत को जब बेहतर पारिश्रमिक मिला तो उनके चेहरे पर संतोष और खुशी साफ दिखाई दी मनेन्द्रगढ़

विकासखंड के ग्राम बेलबहरा निवासी कुसुम की यह कहानी सेवा संकल्प अभियान 2026 के दौरान सामने आई है कुसुम बताती हैं कि जब वह छोटी थीं तब अपने माता-पिता के साथ तेंदूपत्ता संग्रहण के लिए जंगल जाया करती थीं परिवार के साथ शुरू हुआ यह काम धीरे-धीरे उनके जीवन और आजीविका का हिस्सा बन गया आज भी तेंदूपत्ता संग्रहण के मौसम में वह

जंगल पहुंचती हैं और पूरी मेहनत के साथ पत्तों का संग्रहण करती हैं तेंदूपत्ता संग्रहण का काम देखने में भले ही सामान्य लगे, लेकिन इसके पीछे संग्राहकों की कड़ी मेहनत छिपी होती है जंगल में जाकर उपयुक्त पत्तों को तलाशना उन्हें सावधानी से तोड़ना, एकत्र करना और निर्धारित तरीके से तैयार करना मेहनत और धैर्य का काम है कुसुम वर्षों से इसी श्रम के सहारे अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करने में योगदान देती आ रही हैं। इस वर्ष राज्य शासन द्वारा तेंदूपत्ता संग्रहण की पारिश्रमिक दर बढ़ाकर 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा किए जाने से कुसुम की खुशी बढ़ गई है वर्ष 2026 में बढ़ी हुई दर से मिलने वाला पारिश्रमिक उनके लिए आर्थिक रहत के साथ उनकी वर्षों की मेहनत को मिला सम्मान भी है

कुसुम कहती हैं कि जंगल में दिनभर मेहनत करने के बाद जब उसका बेहतर मूल्य मिलता है तो खुशी होती है बढ़ी हुई संग्रहण दर से प्राप्त राशि परिवार की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में सहायक बन रही है इससे घर के जरूरी खर्चों को संभालने में भी आसानी हो रही है तेंदूपत्ता संग्रहण केवल कुसुम ही नहीं, बल्कि जंगल और वनोपज पर निर्भर अनेक परिवारों की मौसमी आय का महत्वपूर्ण जरिया है ऐसे में संग्रहण दर में वृद्धि से इन परिवारों को उनकी मेहनत का बेहतर प्रतिफल मिल रहा है कुसुम के लिए भी बढ़ा हुआ पारिश्रमिक परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने में अतिरिक्त सहाय बना है वर्षों से तेंदूपत्ता संग्रहण कर रही कुसुम के लिए यह बदलाव विशेष मायने रखता है।

कोटाडोल में नुककड़ नाटक से गूंजा जनजागरूकता का संदेश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विकासखंड भरतपुर के कोटाडोल में 29 सितंबर को नुककड़ नाटक के माध्यम से जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया कलाकारों ने संवाद अभिनय और मनोरंजक प्रस्तुति के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं सामाजिक सरोकारों तथा नागरिकों के अधिकार और दायित्वों से जुड़े संदेश प्रभावी ढंग से ग्रामीणों तक पहुंचाए कार्यक्रम देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे कलाकारों ने सरल भाषा में लोगों को शासन की योजनाओं का लाभ लेने अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और समाजहित में सक्रिय सहभागिता निभाने को लिए प्रेरित किया। सामाजिक विषयों को रोचक तरीके से प्रस्तुत किए जाने से ग्रामीणों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागिता की और



नुककड़ नाटक की सराहना की कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह, जनपद पंचायत अध्यक्ष माया प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष हीरालाल मौर्य, जिला पंचायत सदस्य सुखमती सिंह एवं अनीता चौधरी, सरपंच सुभाष सिंह और मंडल अध्यक्ष कोटाडोल मनोज गुप्ता सहित जनप्रतिनिधि व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे इसके अलावा छात्रवास

खाली मकान में लगी आग, पुलिस ने ड्रम-बाल्टियों से बुझाने की कोशिश की

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। शहर के जाटव मोहल्ला रामगंज में सोमवार तड़के करीब 4 बजे एक खाली कच्चे मकान में अचानक आग लग गई लकड़ी और कबेलू से बने मकान में आग तेजी से फैलने से ऊंची लापटें उठने लगीं सूचना मिलने पर पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची दमकल के पहुंचने तक पुलिसकर्मियों ने ड्रम और बाल्टियों से पानी डालकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया एएसआई सुरेंद्र मालवीय और आरक्षक धर्मेन्द्र सिंह सबसे पहले मौके पर पहुंचे। दोनों ने आसपास से पानी की व्यवस्था कर आग बुझाने की कोशिश शुरू की कुछ देर बाद दमकल की दो गाड़ियां पहुंचीं और करीब आधे घंटे की मशकत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया गया आग से मकान का काफी हिस्सा जल गया पुलिस के मुताबिक मकान राधेलाल जाटव का है। वर्तमान में मकान खाली था और वहां कोई नहीं रहता था। मकान के आसपास दो बुजुर्ग महिलाएं रहती हैं आग की घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है पुलिस के अनुसार कुछ महीने पहले मकान मालिक राधेलाल जाटव के खिलाफ एक मामला दर्ज हुआ था इसी को देखते हुए पुलिस आग लगने के कारणों की जांच में आपसी रंजिश समेत अन्य संभावित पहलुओं को भी शामिल कर रही है सिटी कोतवाली टीआई गौरव सिंह बुंदेला ने बताया कि सुबह करीब 4 बजे मकान में आग लगने की सूचना मिली थी दमकल की मदद से आग पर काबू पा लिया गया है आग लगने के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

बालिका अंडर-17 कबड्डी में दक्षिण क्षेत्र की टीम विजेता मध्य क्षेत्र उपविजेता, पश्चिम क्षेत्र तीसरे स्थान पर रहा विजेता-उपविजेता टीम से स्टेट टीम के लिए होगा चयन



मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। जनजातीय कार्य विभाग की राज्य स्तरीय बालिका अंडर-17 कबड्डी प्रतियोगिता का सोमवार को पथरोटा में समापन हुआ दो दिवसीय प्रतियोगिता में आदिवासी विभाग के 20 जिलों की चार क्षेत्रीय टीमों ने हिस्सा लिया फाइनल मुकाबलों के बाद दक्षिण क्षेत्र की टीम ने विजेता ट्रॉफी अपने नाम की जबकि मध्य क्षेत्र उपविजेता रहा पश्चिम क्षेत्र की टीम ने तीसरा स्थान हासिल

किया दक्षिण क्षेत्र की टीम में जबलपुर बालाघाट, छिंदवाड़ा, मंडला, डिंडौरी और सिवनी जिले की खिलाड़ी शामिल रही मध्य क्षेत्र की टीम में नर्मदापुरम, बैतुल, खंडवा श्योपुर और बुरहानपुर जिले शामिल थे पश्चिम क्षेत्र में थार झाबुआ अलीराजपुर, खरगोन, बड़वानी और रतलाम की टीमों ने हिस्सा लिया विजेता टीम को ट्रॉफी और खिलाड़ियों को मेडल प्रदान किए गए। उपविजेता टीम की खिलाड़ियों

को भी मेडल देकर सम्मानित किया गया जिला क्रीड़ा अधिकारी भरतलाल बंसकार ने बताया कि प्रतियोगिता 4 और 5 अक्टूबर को शाउमावि पथरोटा के खेल मैदान पर आयोजित हुई आयोजन सहायक आयुक्त विवेक नागवंशी की देखरेख में हुआ उद्घाटन प्राचार्य अरविंद देवलिया ने किया था स्कूल शिक्षा विभाग की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जनजातीय कार्य विभाग की टीम हिस्सा लेगी इसके लिए विजेता और उपविजेता टीम की खिलाड़ियों में से स्टेट टीम के लिए चयन किया जाएगा प्रतियोगिता में पूर्व, पश्चिम, दक्षिण और मध्य चार क्षेत्र बनाए गए थे समापन अवसर पर चारों क्षेत्रों के जनरल मैनेजर को स्मृति चिह्न भेंट किए गए।

बस और सड़क की मांग पर छात्रों ने किया चक्काजाम पुष्पराजगढ़ कॉलेज के विद्यार्थियों ने रीवा-अमरकंटक मार्ग पर लगाया जाम, पुलिस-प्रशासन समझाने में जुटा

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। राजेंद्रग्राम में सोमवार को बस सुविधा और कॉलेज तक सड़क निर्माण की मांग को लेकर पुष्पराजगढ़ महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने सड़क पर बैठकर प्रदर्शन किया एनएसयूआई छात्रसंघ के बैनर तले हुए प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने रीवा-अमरकंटक मार्ग पर चक्काजाम कर दिया इससे मार्ग पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई और सड़क के दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचकर छात्रों को समझाने का प्रयास करते रहे, लेकिन विद्यार्थी मांग पूरी होने तक प्रदर्शन जारी रखने पर अड़े रहे छात्रों के अनुसार 17 सितंबर से पुष्पराजगढ़ महाविद्यालय को राजेंद्रग्राम की पुरानी बिल्डिंग से



नई बिल्डिंग में शिफ्ट किया गया है नई बिल्डिंग मुख्य मार्ग से करीब 700 मीटर दूर पहाड़ी पर स्थित है यहां पहुंचने के लिए अब तक पक्की सड़क की सुविधा नहीं है बारिश के दौरान रास्ते में कीचड़ होने से विद्यार्थियों और कॉलेज स्टाफ को परेशानी का सामना करना पड़ता है विद्यार्थियों ने बताया कि राजेंद्रग्राम से कॉलेज तक करीब 4 से 5 किलोमीटर की दूरी के बावजूद छात्र-छात्राओं

के लिए कोई बस सुविधा उपलब्ध नहीं है उन्हें निजी बसों और अन्य साधनों पर निर्भर रहना पड़ता है जिससे रोजाना अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ रहा है आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए यह समस्या पढ़ाई में बाधा बन रही है छात्रों का कहना है कि बस सुविधा को लेकर पहले भी कई बार मांग और प्रदर्शन किया जा चुका है लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं हुआ। इसी

राशन विक्रेताओं ने कलेक्ट्रेट में किया प्रदर्शन, 40 हजार गारंटीड आय की मांग

5 सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन, 7 दिन में समाधान नहीं तो आंदोलन और हड़ताल की चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। मध्यप्रदेश राशन विक्रेता संघ के बैनर तले सोमवार को जिलेभर के राशन विक्रेताओं ने अपनी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया। विक्रेताओं ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए मांगों के समय-सीमा में निराकरण की मांग की संघ ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो प्रदेशभर में आंदोलन के साथ हड़ताल की



जाएगी राशन विक्रेताओं ने कहा कि प्रदेश में करीब 28 हजार शासकीय उचित मूल्य दुकानों के

माध्यम से सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत पात्र हितग्राहियों को खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है इसके बावजूद महंगाई और कम कमीशन के कारण राशन दुकानदारों के सामने आर्थिक संकट की स्थिति बनी हुई है। दुकानदारों का कहना है कि वर्तमान कमीशन में दुकान संचालन का खर्च निकालना भी मुश्किल हो रहा है संघ की प्रमुख मांग है कि खाद्यान्न वितरण पर मिलने वाला कमीशन बढ़ाकर कम से कम 200 रुपए प्रति

क्विंटल किया जाए इसके साथ ही प्रत्येक राशन विक्रेता के लिए न्यूनतम 40 हजार रुपए प्रतिमाह की गारंटीड आय सुनिश्चित करने की मांग रखी गई है विक्रेताओं ने खाद्यान्न में होने वाली शॉर्टेज के लिए प्रति क्विंटल एक किलो की क्षतिपूर्ति देने की मांग भी की है इसके अलावा मासिक कमीशन का भुगतान प्रत्येक माह की 5 तारीख तक अनिवार्य रूप से करने तथा सेवा सहकारी समितियों और वन समितियों को उनके अधीन कार्यरत राशन

विक्रेताओं को समय पर कमीशन भुगतान के स्पष्ट निर्देश देने की मांग की गई संघ के सुनील कुमार मिश्रा ने कहा कि मध्यप्रदेश में राशन विक्रेताओं को अन्य राज्यों की तुलना में कम कमीशन मिल रहा है उन्होंने बताया कि बिहार में 258 रुपए केरल में 270 रुपए, हरियाणा और दिल्ली में 200 रुपए तथा महाराष्ट्र में 170 रुपए प्रति क्विंटल तक कमीशन दिया जा रहा है ऐसे में मध्यप्रदेश में भी कमीशन बढ़ाकर आर्थिक राहत देने की जरूरत है।

संक्षिप्त समाचार

बनखेड़ी में ताप्ती-गंगा एक्सप्रेस से टकराकर बुजुर्ग की मौत
पटरी पार कर रहे थे, रेलवे स्टेशन के अप ट्रैक पर हुआ हादसा



मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)। बनखेड़ी रेलवे स्टेशन के अप ट्रैक पर पटरी पार करते समय एक बुजुर्ग की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। यह हादसा 19046 ताप्ती गंगा एक्सप्रेस से हुआ, जिसकी जानकारी जीआरपी ने दी। मृतक की पहचान 68 वर्षीय रमेश अहिरवार के रूप में हुई है, जो तित्सरी थाना बनखेड़ी के रहने वाले थे। उनके बेटे राकेश ने उनकी पहचान की। रेलवे स्टेशन के दोनों ओर रिहायशी बस्ती है। रेल पटरी पार कर लोग आवागमन करते हैं। पिपरिया जीआरपी प्रधान आरक्षक शिव प्रताप सिंह ने बताया कि घटना रात की है। सोमवार सुबह पंचनामा और पोस्टमार्टम की कार्यवाही की गई। शव परिजनों को सौंप दिया गया है। फिलहाल, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पचमढ़ी के पगारा में सड़क पर दिखा टाइगर

रात 2 बजे वाहन चालक हुए हैरान; भोपाल से लौट रहे



पर्यटन मित्र ने बनाया वीडियो

मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)। पिपरिया-पचमढ़ी के बीच पगारा मुख्य मार्ग पर रविवार-सोमवार की दरमियानी रात करीब 2 बजे टाइगर सड़क पर चहलकदमी करता दिखाई दिया। टाइगर को सड़क पर देखकर कुछ देर के लिए वाहन चालक रुक गए। घटना का करीब एक मिनट का वीडियो सोमवार सुबह सामने आया। **भोपाल से लौट रहे पर्यटन मित्र ने बनाया वीडियो-**पचमढ़ी के पर्यटन मित्र मुस्तैन सिर ने टाइगर दिखने की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि वे भोपाल से लौट रहे थे। इसी दौरान पगारा चवाई पर सड़क पर टाइगर दिखाई दिया। उन्होंने अपनी गाड़ी रोककर टाइगर के सड़क पार करने का इंतजार किया और इस दौरान वीडियो बना लिया।

एसडीओ बोले- एसटीआर क्षेत्र होने से दिखना सामान्य-एसडीओ सजीव शर्मा ने बताया कि टाइगर का वीडियो उनके पास भी आया है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) के अंतर्गत आता है, इसलिए टाइगर का सड़क पर दिखाई देना आम बात है।

इटारसी में कार से 25 पेटी अवैध शराब जब्त

पुलिस को देखकर आरोपी



फरार; मामला दर्ज, तलाश जारी

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। इटारसी सिटी पुलिस ने सोमवार सुबह अवैध शराब के खिलाफ कार्यवाही की। सोमलवाड़ा खुर्द के पास फोरलेन से कार से 25 पेटी अवैध शराब जब्त की गई। पुलिस को देख आरोपी मौके से फरार हो गया। एसआई सुरेश चौहान को मुखबिर से सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस टीम ने सोमलवाड़ा खुर्द फोरलेन पर घेराबंदी कर कार को पकड़ा। तलाशी में कार से 25 पेटी शराब बरामद हुई।

अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज-पुलिस ने शराब और कार जब्त कर अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम तलाश में जुटी है। कार्यवाही में एसआई सुरेश चौहान, आरक्षक राजकुमार झापटे, महेंद्र गुर्जर और अतुल गुर्जर शामिल थे। पुलिस अब पता लगा रही है कि शराब कहाँ से लाई गई थी।

उद्यम संवाद में स्वरोजगार योजनाओं की दी जानकारी

सफल उद्यमियों ने साझा किए अनुभव



मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। सेवा सेतु अभियान अंतर्गत सरकार आपके द्वार तथा मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत रविवार 4 अक्टूबर को मानस भवन, बासोदा में जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, विदिशा द्वारा उद्यम संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बासोदा विधायक श्री

हरिसिंह रघुवंशी समेत अन्य जनप्रतिनिधि कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता सहित प्रशासनिक एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

उद्यम संवाद का उद्देश्य युवाओं, हितग्राहियों एवं आमजन को शासन द्वारा संचालित विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी उपलब्ध

कराना तथा इच्छुक व्यक्तियों को स्वयं का उद्यम स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम में स्वरोजगार से जुड़ी विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों से संवाद किया गया तथा उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं को समझते हुए मौके पर ही निराकरण का प्रयास किया गया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना (PMFME), प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना तथा मत्स्य संपदा योजना सहित विभिन्न स्वरोजगार एवं आर्थिक कल्याण योजनाओं की जानकारी दी गई। इसके साथ ही संत रविदास योजना, भगवान बिरसा मुंडा योजना, टंटया मामा आर्थिक कल्याण योजना, डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना तथा पशुपालन विभाग द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनाओं के संबंध में भी हितग्राहियों को अवगत कराया गया।

सफल उद्यमियों ने साझा किए अनुभव- उद्यम संवाद के दौरान योजना का लाभ लेकर सफलतापूर्वक अपना व्यवसाय एवं उद्यम संचालित कर रहे हितग्राहियों ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि शासन की स्वरोजगार योजनाओं के माध्यम से उन्हें वित्तीय सहायता एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, जिससे वे स्वयं का व्यवसाय स्थापित कर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ सके। सफल उद्यमियों के अनुभवों से उपस्थित अन्य हितग्राहियों को भी स्वरोजगार अपनाने और योजनाओं का लाभ लेकर अपना उद्यम स्थापित करने के लिए प्रेरणा मिली।

हितग्राहियों की समस्याओं के निराकरण का प्रयास

कार्यक्रम के दौरान उद्यमियों एवं हितग्राहियों से उनकी समस्याओं, योजना संबंधी कठिनाइयों तथा व्यवसाय संचालन से जुड़े विषयों पर संवाद किया गया। संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा समस्याओं की जानकारी लेकर मौके पर ही आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया तथा पात्र हितग्राहियों की समस्याओं का यथासंभव निराकरण करने का प्रयास किया गया। अधिकारियों ने कहा कि शासन का उद्देश्य विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के माध्यम से अधिक से अधिक युवाओं एवं पात्र हितग्राहियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। उद्यम संवाद जैसे आयोजनों के माध्यम से योजनाओं की जानकारी सीधे हितग्राहियों तक पहुंचाने के साथ-साथ उनकी जिज्ञासाओं एवं समस्याओं का समाधान भी किया जा रहा है। इससे स्थानीय स्तर पर नए उद्यम स्थापित होने, रोजगार के अवसर बढ़ने और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलने की दिशा में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा।

34 ग्राम पंचायतों में कैप लगाकर 200 किसानों की फार्मर आईडी बनाई गई

सेवा सेतु अभियान के तहत किसानों को डिजिटल पहचान से जोड़ने की पहल

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। सेवा सेतु अभियान के तहत कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशानुसार जिले में किसानों को शासकीय योजनाओं एवं कृषि संबंधी सेवाओं से सहज रूप से जोड़ने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष कैप आयोजित कर फार्मर आईडी बनाई जा रही है। इसी क्रम में गुलाबगंज तहसील क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित कर 200 किसानों की फार्मर आईडी बनाई गई।



तहसीलदार गुलाबगंज श्री अरविन्द यादव ने बताया कि अभियान के तहत तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में कैप लगाकर किसानों को फार्मर आईडी बनाने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई तथा मौके पर ही आवश्यक कार्यवाही पूर्ण कर आईडी तैयार की गई। गुलाबगंज तहसील की ग्राम पंचायत सौजना, हथियाखेड़ा, गुलरखेड़ी, सुमेर, बरी, बन जागीर सहित कुल 34 ग्राम पंचायतों में

फार्मर आईडी बनाने का कार्य किया गया। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित इन कैपों के माध्यम से किसानों को फार्मर आईडी के महत्व एवं इसके उपयोग की जानकारी भी दी गई। फार्मर आईडी किसानों की पहचान को डिजिटल रूप से दर्ज करने तथा उन्हें कृषि विभाग एवं शासन की विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं और सेवाओं से जोड़ने में उपयोगी होगी।

सेवा सेतु अभियान के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर कैप आयोजित होने से किसानों को स्थानीय स्तर पर ही आवश्यक सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं। इससे किसानों को संबंधित कार्यों के लिए तहसील अथवा अन्य कार्यालयों तक जाने की आवश्यकता कम होगी और शासकीय सेवाओं की पहुंच को अधिक सुगम बनाया जा सकेगा।

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशानुसार जिले में सेवा सेतु अभियान के माध्यम से शासन की सेवाओं को आमजन तक पहुंचाने तथा पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं से जोड़ने के लिए ग्राम स्तर पर लगातार गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। गुलाबगंज तहसील में 34 ग्राम पंचायतों में आयोजित शिविरों के दौरान 200 किसानों की फार्मर आईडी तैयार किया जाना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

6 हजार की नौकरी से करोड़ों की कथित संपत्ति? निष्कासित पुजारी की मठ में वापसी पर बवाल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। श्री स्वामी हाथीरामजी मठ से जुड़े पुजारी शिवनारायण मिश्रा को लेकर सामने आई शिकायत के बाद मठ की व्यवस्थाओं और आर्थिक गतिविधियों पर सवाल उठे हैं शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि वर्ष 2013 में करीब 6 हजार रुपए प्रतिमाह से काम शुरू करने वाले शिवनारायण मिश्रा की वर्तमान में सतना और इंदौर में करोड़ों रुपए की कथित संपत्तियां हैं मामले में संपत्तियों, बैंक खातों और आय के स्रोतों की स्वतंत्र जांच की मांग की गई है शिकायत के अनुसार वर्तमान में सतना और इंदौर में उनकी कथित संपत्तियों का मूल्य करीब 15 से 20 करोड़ रुपए बताया जा रहा है। शिकायत में उनकी पत्नी दीक्षा मिश्रा के नाम पर भी कथित संपत्तियों का



उल्लेख किया गया है। शिकायतकर्ता ने सवाल उठाया है कि घोषित आय की तुलना में इतनी संपत्ति कैसे अर्जित हुई और इसके लिए धन का स्रोत क्या रहा। मामले को गंभीर बताते हुए शिकायतकर्ता ने कहा कि आंध्र प्रदेश एंडोमेंट्स विभाग की कार्यवाही के बाद शिवनारायण मिश्रा को पुजारी पद से निष्कासित किए जाने की

जानकारी सामने आई है इसके बावजूद आरोप है कि उन्हें मठ में बनाए रखा गया और इसकी जानकारी संबंधित विभाग को नहीं दी गई शिकायतकर्ता ने मांग की है कि निष्कासन के बाद उन्हें मठ में रखने के निर्णय और इसमें शामिल लोगों की भूमिका की भी जांच की जाए। शिकायतकर्ता का कहना है कि मामले के संबंधित दस्तावेज और वित्तीय साक्ष्य जांच एजेंसियों के समक्ष प्रस्तुत किए जा रहे हैं। इनमें संपत्तियों के दस्तावेज, बैंक खातों, वित्तीय लेन-देन और आय के स्रोतों की जांच की मांग शामिल है। साथ ही श्रद्धालुओं से प्राप्त धन तथा मठ की आर्थिक गतिविधियों में कथित अनियमितताओं की भी जांच कराने की मांग की गई है।

सीहोर में खेत की जमीन को लेकर दो पक्ष आमने-सामने

डंडे-हंसिया चले, तीन अस्पताल में भर्ती; पुलिस ने केस दर्ज किया

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर इछवर थाना क्षेत्र के दुदलाई गांव में जमीन के पुराने विवाद को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। कहासुनी के बाद मामला मारपीट तक पहुंच गया। एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष पर डंडे और हंसिया से हमला कर दिया। घटना में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए सीहोर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अफरा-तफरी मच गई। आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायलों को एंबुलेंस व निजी वाहनों की मदद से सीहोर जिला अस्पताल पहुंचाया। घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच खेत की जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी बात को लेकर घटना के दिन दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। बातचीत के दौरान विवाद बढ़ा और मारपीट शुरू हो गई। हमले में तीन लोग घायल हुए। **ग्रामीणों ने अस्पताल पहुंचाया-**घटना के बाद गांव में

पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की-घटना की सूचना मिलने पर इछवर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जानकारी जुटाई और घायलों के बयान लिए। शुरुआती जांच के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक, घटना में शामिल आरोपियों की तलाश की जा रही है। मामले की जांच के साथ आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

जन सेवा सेतु शिविर में 733 हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए, 308 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दिया उपचार

गंजबासौदा के मानस भवन में जनसमस्या निवारण एवं शासकीय योजनाओं का लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित हुआ शिविर

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। जन सेवा सेतु अभियान के अंतर्गत रविवार को गंजबासौदा के मानस भवन में जनसमस्या निवारण एवं आमजन को शासकीय योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व स्थानीय विधायक श्री हरिसिंह रघुवंशी, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीतू रघुवंशी सहित कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता एवं बासोदा एसडीएम श्रीमती अनुभा जैन ने सहभागिता की।

शिविर में नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के साथ ही उन्हें शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने तथा स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया गया। विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उपस्थित हितग्राहियों को योजनाओं की जानकारी प्रदान की और पात्रतानुसार लाभ दिलाने की कार्यवाही की।



द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार शिविर आयोजित किया गया। इसमें कुल 308 मरीजों का पंजीयन कर उनकी स्वास्थ्य जांच की गई तथा आवश्यकतानुसार उपचार उपलब्ध कराया गया। साथ ही मरीजों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श एवं जागरूकता संबंधी जानकारी भी दी गई।

शिविर के दौरान स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न सेवाओं के अंतर्गत 75 मरीजों की एमसीडी स्क्रीनिंग कर रक्तचाप एवं मधुमेह की जांच की गई। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 733 हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए, जिससे पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। इसके अतिरिक्त 68 व्यक्तियों की आभा आईडी बनाई गई तथा राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के अंतर्गत 30 बच्चों की स्वास्थ्य जांच एवं स्क्रीनिंग की गई।

गर्भवती महिलाओं की जांच और प्रसूता महिलाओं को सहायता-शिविर में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर्गत पांच गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की गई। वहीं, पात्र हितग्राहियों को शासन की प्रसूति सहायता योजना से लाभान्वित करने के उद्देश्य से दो प्रसूता महिलाओं को सहायता राशि

के चेक वितरित किए गए। इसके साथ ही 11 दिव्यांगजनों को दिव्यांगता प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

आयुर्वेद एवं होम्योपैथिक पद्धति से भी मिला उपचार-आमजन को विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शिविर में आयुष चिकित्सा सेवाएं भी प्रदान की गईं। इसके अंतर्गत 58 मरीजों का आयुर्वेदिक पद्धति से तथा 96 मरीजों का होम्योपैथिक पद्धति से उपचार किया गया।

विभागीय समन्वय से नागरिकों को मिला लाभ-जन सेवा सेतु शिविर का उद्देश्य शासकीय सेवाओं एवं योजनाओं को आमजन तक पहुंचाना, पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना तथा नागरिकों की समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित करना रहा। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समन्वित प्रयासों से स्वास्थ्य परीक्षण, आयुष्मान कार्ड निर्माण, आभा आईडी पंजीयन, दिव्यांगता प्रमाण-पत्र वितरण एवं प्रसूति सहायता जैसी सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई गईं। इस प्रकार शिविर के माध्यम से नागरिकों को विभागीय सेवाओं का लाभ प्राप्त करने में सुविधा मिली।

कंधे की चोट के कारण इस साल अब कोर्ट प.र नजर नहीं आएंगी पोटपोवा, बोलीं- शरीर को आराम की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की 25वें नंबर की खिलाड़ी अनास्तासिया पोटपोवा ने अपने 2026 सीजन को समय से पहले ही खत्म कर दिया है। उन्होंने चोटों से जुझने और करियर की सबसे अच्छी रैंकिंग हासिल करने के मिले-जुले साल के बाद ठीक होने पर ध्यान देने का फैसला किया है। पोटपोवा ने अपने सोशल मीडिया पर इस फैसले की पुष्टि करते हुए कहा कि उनका शरीर लगातार उन्हें आराम करने का संकेत दे रहा था। उन्होंने 'इंस्टाग्राम' पर लिखा, 'मेरा सीजन खत्म हो रहा है। दुर्भाग्य से, हाल ही में मेरा शरीर मुझे बार-बार संकेत दे रहा है कि अब रुकने का समय आ गया है। मेरे लिए यह सबसे साफ संकेत है कि मुझे ब्रेक लेने, अपने शरीर को ठीक होने के लिए जरूरी समय देने और मजबूती से वापसी करने की जरूरत है। 2027 में मिलते हैं।' पोटपोवा ने यह घोषणा बीजिंग टूर्नामेंट में सिन्जा क्रॉस के खिलाफ अपने शुरुआती दौर के मैच से दाहिने कंधे की चोट के कारण हटने के कुछ दिनों बाद की है। उन्हें इसके बाद वुहान में खेलना था, लेकिन अब वह नए सीजन के लिए पूरी तरह फिट होने पर ध्यान देंगी। इस फैसले के साथ ही उस सीजन का समापन हो गया जिसमें पोटपोवा ने रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई। उन्होंने साल की शुरुआत लिन्ज से पहले 97वें स्थान पर रहते हुए की थी, लेकिन धीरे-धीरे रैंकिंग में ऊपर चढ़ती गईं और आखिरकार करियर की सर्वश्रेष्ठ 25वीं रैंकिंग तक पहुंचीं, जो अभी भी उनकी मौजूदा रैंकिंग है। उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन व्ले कोर्ट पर रहा। पोटपोवा लिन्ज में फाइनल तक पहुंचीं, 'लकी लुवर' के तौर पर मैड्रिड सेमीफाइनल में जगह बनाई और रोम तथा फ्रेंच ओपन दोनों में चौथे दौर तक पहुंचीं। फ्रेंच ओपन में उनका प्रदर्शन शायद उनके सीजन की सबसे बड़ी जीत वाला रहा। पोटपोवा ने तीसरे दौर में मौजूदा चैंपियन कोको गॉफ को 4-6, 7-6(1), 6-4 से हराया। उन्होंने एक सेट से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत हासिल की। हालांकि, पूरे सीजन के दौरान चोटों और फिटनेस समस्याओं ने उनकी प्रगति को प्रभावित किया। पोटपोवा ने ऑस्ट्रेलियन स्विंग की शुरुआत उस हाथ की टूटी हुई उंगली के साथ की, जिससे वह खेलती नहीं हैं। इसके बाद फ्रेंच ओपन के बाद स 'हटोजेनबोश टूर्नामेंट में भी उन्हें बीमारी के कारण दूसरे राउंड का मैच बीच में छोड़ना पड़ा। बर्लिन टूर्नामेंट में भी उन्हें चोट से जुझना पड़ा। एकारतेरिना अलेक्जेंड्रोवा के खिलाफ पहला सेट हारने के बाद गर्दन में दर्द की वजह से उन्हें मैच से हटना पड़ा। इन लगातार शारीरिक समस्याओं के कारण वह पूरे सीजन में अपनी लय बनाए रखने में सफल नहीं रहीं। यूएस ओपन में भी उन्हें एक मुश्किल स्थिति का सामना करना पड़ा। मीरा एड्रीवा के खिलाफ तीन सेट के मैच के दौरान, एक फोरहैंड शॉट तक पहुंचने की कोशिश में पोटपोवा गिर गईं और



वैभव को अपने मौके का इंतजार करना होगा

हम ड्रेसिंग रूम में सुरक्षा का माहौल बनाना चाहते हैं: गौतम गंभीर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के हेड कोच गौतम गंभीर ने युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी के साथ हुई अपनी बातचीत के बारे में बताया है। गंभीर ने कहा कि उन्होंने 15 वर्षीय खिलाड़ी को समझाया कि अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद, कभी-कभी खिलाड़ी को अपने मौके का इंतजार करना पड़ता है। इस साल जुलाई में सूर्यवंशी इंग्लैंड के खिलाफ इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बने। उन्होंने 15 साल और 99 दिन की उम्र में अपना टी20 इंटरनेशनल डेब्यू किया और सचिन तेंदुलकर का लंबे समय से चला आ रहा रिकॉर्ड तोड़ा। इसके बाद, वह पुरुषों के इंटरनेशनल क्रिकेट में अर्धशतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ 15 साल और 118 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की। हालांकि, उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ पूरी सीरीज और एशियन गेम्स से पहले जापान के खिलाफ खेले गए एकमात्र टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में खेलने का मौका नहीं मिला। 15 साल के इस बल्लेबाज ने श्रीलंका के



खिलाफ एशियन गेम्स के सेमीफाइनल में भारत की प्लेइंग इलेवन में वापसी की, जहां उन्होंने 21 गेंदों पर 38 रन बनाकर मैच में अहम भूमिका निभाई। गंभीर ने 'जियोस्टार' पर कहा, 'यह मेरे लिए भी एक नया अनुभव था। हां, वह अच्छी फॉर्म में थे, लेकिन मैंने उन्हें समझाया कि कभी-कभी, उन खिलाड़ियों की वजह से जिन्होंने लंबे समय से अच्छा प्रदर्शन किया है,

लिए भी एक नया अनुभव था। हां, वह अच्छी फॉर्म में थे, लेकिन मैंने उन्हें समझाया कि कभी-कभी, उन खिलाड़ियों की वजह से जिन्होंने लंबे समय से अच्छा प्रदर्शन किया है,

हॉकी में खत्म हुआ 44 साल का सूखा, सॉफ्ट टेनिस-एमएएम में भी मेडल



नई दिल्ली, एजेंसी। एशियन गेम्स 2026 में भारत का प्रदर्शन शानदार रहा। देश ने कुल 21 गोल्ड समेत 85 मेडल अपने नाम किए। हालांकि, यह एशियन गेम्स भारत के लिए कई मायनों में

ऐतिहासिक साबित हुआ। आइए आपको बताते हैं किन 5 वजहों से भारत के लिए यादगार रहा यह टूर्नामेंट। महिला हॉकी में खत्म हुआ 44 साल का सूखा: एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला हॉकी

इन 5 वजहों से भारत के लिए खास रहा एशियन गेम्स 2026

टीम ने 44 साल का सूखा खत्म करते हुए देश की झोली में गोल्ड मेडल डाला। सलीमा टेटे की कप्तानी में भारतीय टीम का प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में शानदार रहा। फाइनल में भारत ने चीन को कड़े मुकाबले में 1-0 से हराते हुए 1982 के बाद पहली बार गोल्ड मेडल जीता। सुचिका तारियाल ने दिलाया एमएएम में मेडल: मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में भारत को एशियन गेम्स के इतिहास का अपना पहला मेडल मिला। सुचिका तारियाल ने महिलाओं के 60 किलोग्राम वर्ग में दमदार प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज मेडल जीता। हालांकि, वह अपना सेमीफाइनल मुकाबला हार गईं, जिसके चलते भारत इस खेल में गोल्ड या सिल्वर लाने से चूक गया।

सॉफ्ट टेनिस में पहला मेडल: सॉफ्ट टेनिस उन खेलों में शामिल था, जिन्हें एशियन गेम्स में पहली बार शामिल किया गया था। भारत की ओर से इस खेल में जय मीणा ने पुरुष कैटेगरी में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए देश को पहला मेडल दिलाया। जय ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम करने में सफल रहे। इसके साथ ही

रोइंग में भी सतनाम सिंह और सलमान खान की जोड़ी ने डबल स्कल्स में भारत को पहला मेडल दिलाया।

अनाहत-बरनिका इलांगोवन ने रचा इतिहास: एशियन गेम्स 2026 में अनाहत सिंह स्ववेश के सिंगल्स के फाइनल तक पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं। वह गोल्ड लाने से तो चूक गईं, लेकिन उन्होंने सिल्वर जीतकर भी इतिहास रचा। वहीं, पोल वॉल्ट में बरनिका इलांगोवन ने एशियन गेम्स में भारत को पहला मेडल दिलाया। वह ब्रॉन्ज जीतने में सफल रहीं।

मीराबाई चानू का खत्म हुआ इंतजार: भारत की महिला वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने 28 साल का सूखा खत्म करते हुए एशियन गेम्स के इतिहास में पहली बार मेडल जीता। वह सिल्वर मेडल अपने नाम करने में सफल रहीं। वहीं, सावन बरवाल ने मैराथन में 1982 के बाद भारत की पहला मेडल दिलाया। सावन सिल्वर मेडल जीतकर स्वदेश लौटीं।

इगा स्वियातेक ने बनाई राउंड ऑफ 16 में जगह

रोमांचक मुकाबले में डोना वैकिक को हराया



बीजिंग, एजेंसी। छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन इगा स्वियातेक ने सोमवार को यहां चाइना ओपन के राउंड-ऑफ-32 में 30वीं वरियता प्राप्त खिलाड़ी डोना वैकिक को हराया। उन्होंने एक सेट और दो ब्रेक से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की। इगा स्वियातेक ने शानदार वापसी करते हुए राउंड-ऑफ-16 में जगह बनाई। पोलैंड की स्टार खिलाड़ी पहला सेट 4-6 से हार गई थीं और दूसरे सेट में 2-5 से पीछे चल रही थीं। ऐसा

लग रहा था कि वह मैच हार जाएंगी, लेकिन उन्होंने जबरदस्त संघर्ष दिखाया। स्वियातेक ने दूसरे सेट का टाईब्रेकर 7-0 से जीता और फिर निर्णायक सेट में 6-2 से जीत हासिल कर मैच को 4-6, 7-6 (0), 6-2 से अपने नाम कर लिया। जीत के बाद ब्रॉडकास्टर्स से बात करते हुए स्वियातेक ने बताया कि उन्हें एक सेट हारने के बाद कैसा महसूस हो रहा था। उन्होंने कहा, 'मैं सच में बहुत चिढ़ गई थी। मुझे लगा कि मैं बुरा नहीं खेल रही थी, लेकिन निश्चित रूप से वह काफी नहीं था। मैंने कुछ गलतियां कीं। मुझे गुस्सा आ रहा था। मैं कुछ बदलना चाहती थी। जाहिर है कि वह काम नहीं कर रहा। दूसरा सेट शुरू में मुश्किल था। बाद में मैंने समझ लिया कि क्या करना है। मैं इसे लेकर बहुत खुश हूं।' मैच के तीसरे गेम में स्वियातेक अपनी सर्विस गंवा बैटों और वैकिक को सर्विस तोड़ने का कोई तरीका नहीं ढूंढ पाईं। आठवीं वरियता प्राप्त पोलिश खिलाड़ी आखिरकार पहला सेट 4-6 से हार गईं। उनकी वापसी की उम्मीदों को तब और झटका लगा जब दूसरे सेट में वे दो बार अपनी सर्विस हार गईं और 2-5 से पिछड़ गईं।

दुबई, एजेंसी। न्यू चंडीगढ़ के पीसीए इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में हुए तीसरे वनडे मुकाबले में स्लो ओवर रेट बनाए रखने के लिए आईसीसी ने भारत और वेस्टइंडीज टीम पर जुर्माना लगाया गया है। शनिवार को हुए आखिरी वनडे में समय की छूट को ध्यान में रखते हुए भारत को चार ओवर और वेस्टइंडीज को दो ओवर कम फेंकने का दोषी पाया गया। इसके बाद भारतीय टीम पर उनकी मैच फीस का 20 प्रतिशत और वेस्टइंडीज पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। आईसीसी ने एक बयान में कहा, 'खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायता कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 (जो न्यूनतम ओवर-रेट उल्लंघनों से संबंधित है) के अनुसार, अगर कोई टीम तय समय में ओवर नहीं फेंक पाती है, तो उसके खिलाड़ियों पर हर ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।' दोनों कप्तानों ने अपनी गलती मान ली और प्रस्तावित जुर्माने को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई जरूरत नहीं पड़ी। आईसीसी



इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी के प्रकाश भट्ट ने यह जुर्माना लगाया है। अनं-फील्ड अपायर जयरामन मदनगोपाल

और सैम नोगज्स्की, तीसरे अपायर शरफुद्दौला इब्रे शाहिद और चौथे अपायर वीरेंद्र शर्मा ने आरोप लगाए थे।

'कोई नाराजगी नहीं, टीम के दरवाजे उनके लिए खुले हैं', रोनाल्डो संग विवाद को लेकर बोले कोच जॉर्ज जीसस

नई दिल्ली, एजेंसी। पुर्तगाल फुटबॉल टीम के मुख्य कोच जॉर्ज जीसस ने कहा है कि अगर क्रिस्टियानो रोनाल्डो दोबारा नेशनल टीम के लिए खेलना चाहते हैं, तो उनके लिए टीम के दरवाजे खुले हैं। उन्होंने कहा कि रोनाल्डो को अगली टीम घोषणा से पहले अपने भविष्य और करियर को लेकर फैसला करना होगा। 41 साल के इस अनुभवी खिलाड़ी ने कोच जॉर्ज जीसस के साथ कप्तान की भूमिका को लेकर बढ़ते मतभेद पर सार्वजनिक रूप से बात करने के कुछ ही घंटों बाद नेशनल टीम का कैप छोड़ दिया था। कैप छोड़ने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, 'सही समय आने पर मैं सभी पुर्तगाली लोगों को नेशनल टीम छोड़ने के अपने कारणों के बारे में सच बताऊंगा, जिसके प्रति मैं हमेशा समर्पित रहा हूं।' पुर्तगाल के एस्टाडियो डो ड्रगाओ में नॉर्वे को 2-1 से हराकर नेशंस लीग के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के बाद इस अनुभवी खिलाड़ी के इंटरनेशनल भविष्य पर बात करते हुए जीसस ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि आगे क्या होगा। मेरी तरफ से सब कुछ खुला है। रोनाल्डो को अगली टीम घोषणा से पहले अपनी जिंदगी के बारे में फैसला करना होगा। अगर वह नेशनल टीम में रहना चाहते हैं और खेल रहे हैं, तो क्यों नहीं कोई नाराजगी नहीं है, क्योंकि यह एक गलतफहमी थी। मुझे लगता है कि इसे सुलझाना आसान है। कब, यह मुझे नहीं पता। मैच खत्म हो गया है और अब हम देखेंगे कि चीजें कैसे आगे बढ़ती हैं।' नेशंस लीग के शुरुआती मैच में वेल्स के खिलाफ पुर्तगाल की 1-0 की जीत में रोनाल्डो टीम का हिस्सा थे, लेकिन नॉर्वे के खिलाफ अगले मैच में उन्हें सबस्टीट्यूट के तौर पर रखा गया और बताया गया कि उन्हें मैदान पर उतारा भी जा सकता है और नहीं भी। जब दूसरे हाफ के दौरान उनसे वार्म-अप करने के लिए कहा गया तो वे निराश दिखे, लेकिन उन्हें बेंच पर ही रहना पड़ा और मैच में सबस्टीट्यूट के तौर पर नहीं उतारा गया। यह पहली बार था जब मैनचेस्टर यूनाइटेड और रियल मैड्रिड के पूर्व फॉरवर्ड खिलाड़ी को 2008 के बाद से अपने देश के लिए किसी प्रतिस्पर्धी मैच में सबस्टीट्यूट के तौर पर शामिल होने के बावजूद मैदान पर नहीं उतारा गया। रोनाल्डो के जाने के बाद, पुर्तगाली मिडफील्डर ब्रूनो फर्नांडीस ने कहा कि रोनाल्डो को शानदार अंदाज में विदाई मिलनी चाहिए। जब जीसस से पूछा गया कि क्या वे इससे सहमत हैं, तो उन्होंने जवाब दिया, '100 फीसदी। ब्रूनो फर्नांडीस ने जो कहा कि मैं उससे पूरी तरह सहमत हूं, क्योंकि मेरा भी यही सोचना था।' उन्होंने आगे कहा, 'हम कई चीजों पर बात कर रहे हैं। मैंने रोनाल्डो से एक बात यह कही थी कि वह वर्ल्ड कप में हारकर और रोते हुए अपना संपूर्ण खत्म नहीं कर सकेंगे। उन्हें नेशनल टीम के लिए अपना खेल खत्म करना था, और इसीलिए उन्होंने पहला मैच खेला।

पुर्तगाल ने बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह



नई दिल्ली, एजेंसी। पुर्तगाल ने यूईएफए नेशंस लीग के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बिना खेल रही पुर्तगाल टीम ने 79वें मिनट में गोंकालो रामोस के विजयी गोल की मदद से नॉर्वे को 2-1 से हराया। क्रिस्टोफर अजेर ने शानदार हाफ-वॉली के जरिए मेहमान टीम को बढ़त दिलाई, लेकिन दो मिनट बाद ही जोआओ कैसेरो ने शानदार अंदाज में गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद मेजبان टीम ने बढ़त हासिल कर ली। जोआओ फेलिक्स के शानदार पास पर गोंकालो रामोस ने गोल दागा। दो बार नेशंस लीग का खिताब जीत चुकी पुर्तगाल की टीम ने मैच के अंत तक अपनी बढ़त कायम रखी और ग्रुप ए4 में जीत का सिलसिला जारी रखा। हालांकि, मैच के आखिरी मिनटों में फ्रांसिस्को कॉन्सेकाओ को दूसरा पीला कार्ड मिलने के कारण मैदान छोड़ना पड़ा, लेकिन इससे टीम की जीत पर कोई असर नहीं पड़ा। वहीं दूसरी ओर, रासमस होजलुंड और जोशुआ जर्कजी ने अहम भूमिका निभाई और डेनमार्क तथा नीदरलैंड्स ने भी महत्वपूर्ण जीत हासिल की। होजलुंड की सधी हुई पेनल्टी ने डेनमार्क को इस कैपन की दूसरी जीत दिलाई और वेल्स के खिलाफ अपनी अजेय बढ़त को पांच मैचों तक बढ़ा दिया। वेल्स ने मैच की शुरुआत अच्छी की और गेंद पर ज्यादा कब्जा रखते हुए ब्रेनन जॉनसन

और लुईस कोमास के जरिए कई हमले किए। हालांकि, धीरे-धीरे डेनमार्क ने वापसी की और हाफ-टाइम से पहले गुस्ताव इसाकसेन और ओलिवर प्रोव्स्टर्गाड गोल करने के करीब पहुंच गए।

दूसरे हाफ में वेल्स के गोलकीपर डेनो वाड ने रासमस होजलुंड और इसाकसेन के शॉट्स पर शानदार बचाव किए। हालांकि, बाद में उनके एक गलत पास की वजह से डेनमार्क को पेनल्टी मिल गई। होजलुंड ने इस मौके का फायदा उठाते हुए आसानी से गोल कर दिया। यह उनके पिछले चार नेशंस लीग मैचों में तीसरा गोल था।

वहीं, आइवोवन में नीदरलैंड्स ने सर्बिया को 2-1 से हराया। टीम की जीत में जोशुआ जर्कजी का गोल अहम रहा। इस जीत के साथ जावी हनाइज की कीर्तिमानों नीदरलैंड्स की टीम अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखने में सफल रही। नीदरलैंड्स ने मैच के पहले 30 मिनट में पूरा नियंत्रण बनाए रखा और बढ़त हासिल कर ली।

ट्युन कूपमीनर्स की फ्री-किक खिलाड़ियों की भीड़ के बीच से निकलते हुए सीधे गोल में पहुंची। इसके बाद सर्बिया के मिहाजलो ख्वेताक्विच ने हेडर से गोल कर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। इस गोल के साथ यह सिलसिला जारी रहा कि नीदरलैंड्स ने अब तक अपने हर मैच में गोल किया है,

संक्षिप्त समाचार

सोनकछर जलाशय में ग्रामीणों ने लिया जल संरक्षण का संकल्प' 'जल स्रोतों की साफ-सफाई के साथ जल जन चौपाल



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के तहत गैरेला पेंड्रा मरवाही जिले में जल स्रोतों के संरक्षण, स्वच्छता और सुरक्षित पेयजल के प्रति जन-जागरूकता के लिए लगातार गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में शनिवार को जल संसाधन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं पंचायत विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम पंचायत पिपरखुटी स्थित सोनकछर जलाशय में स्वच्छता एवं जल संरक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान के दौरान ग्रामीणों की सहभागिता से सोनकछर जलाशय एवं आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई की गई। जल जन चौपाल, ग्रामीण पेयजल स्रोतों की जांच और ग्राम जल सुरक्षा संवाद के माध्यम से स्वच्छ एवं सुरक्षित जल के महत्व, वर्षा जल संचयन और उपलब्ध जल के विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया गया। जल जन चौपाल में बताया गया कि जल स्रोतों की स्वच्छता पर्यावरण संरक्षण के साथ लोगों के स्वास्थ्य से भी सीधे जुड़ी है। तालाब, जलाशय और अन्य पारंपरिक जल स्रोतों को प्रदूषण से बचाने तथा उनके आसपास स्वच्छता बनाए रखने में सामुदायिक भागीदारी महत्वपूर्ण है। ग्रामीणों से वर्षा जल के संचयन और दैनिक जीवन में पानी की अनावश्यक बर्बादी रोकने का भी आग्रह किया गया।

जुई में सेवा संकल्प शिविर आयोजित, हितग्राहियों को मिला आवास, किसान सम्मान निधि और आबादी पट्टा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जनपद पंचायत रायगढ़ के स्कूल प्रांगण जुई में ब्लॉक स्तरीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न शासकीय योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया और उन्हें शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविर में 17 लोगों को आबादी पट्टा का अधिकार अभिलेख पत्र प्रदान किया गया। वीबी-जीरामजी योजना के तहत 4 लोगों को जांब कार्ड दिए गए। जुई की कुमोदनी प्रधान एवं सुदामा यादव तथा सियारपाली के अर्जुन एवं चक्रधर यादव को आवास योजना का लाभ मिला। वहीं किसान जयदेव ठाकुर और लोकनाथ राणा को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ प्रदान किया गया। उद्यान विभाग द्वारा 12 हितग्राहियों को मुन्गा पौधों का वितरण किया गया।

आजीविका डबरी से आत्मनिर्भर हुआ रामभजन का परिवार सब्जी उत्पादन से रहीं 800-900 की साप्ताहिक आय

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सेवा का संकल्प अब धरात पर दिखने लगा है। ग्रामीण क्षेत्रों में सीमित आय और संसाधनों की कमी के कारण परिवार की मूलभूत आवश्यकताओं के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी प्रभावित होती रही है। ग्रामीण क्षेत्र की इन्हीं परेशानियों को दूर करने विकसित भारत रोजगार और आजीविका के लिए गांटी मिशन ग्रामीण योजना की शुरुआत केंद्र सरकार द्वारा की गई। जमीनी स्तर अब इसका फायदा अब दिखने लगा है। कबीरधाम जिले की जनपद पंचायत बोड़ला के तहत ग्राम पंचायत पोड़ी निवासी रामभजन मिसाल कायम कर रहे हैं। रामभजन की मांग पर स्वीकृत हुई आजीविका डबरी रामभजन की मांग पर 1.80 लाख की लागत से विकसित भारत जी राम जी योजना से आजीविका डबरी बनाने में सहायता मिली। रामभजन के पास लगभग 50 डिसमिल भूमि उपलब्ध है जो सिंचाई का साधन नहीं होने के कारण उपयोग नहीं हो रहा था। डबरी निर्माण से रोजगार के साथ सिंचाई का स्रोत मिल गया। इस कार्य में 1 लाख 66 हजार रुपए का मजदूरी भुगतान हुआ। 697 मानव दिवस रोजगार का सृजन करते हुए हितग्राही रामभजन एवं उसके परिवार सहित अन्य ग्रामीणों को रोजगार मिला। डबरी निर्माण से आसपास के लगभग 1 एकड़ क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार हुआ और धू-जल स्तर बढ़ने के साथ हैंडपंप रिचार्ज में सहायता मिली। आजीविका डबरी के सकारात्मक परिणाम वर्षा आधारित खेती और सीमित पानी के कारण कृषि उत्पादन में अस्सर पड़ता था। प्रतिवर्ष लगभग 8,000 से 10,000 तक ही आय प्राप्त होता था। सिंचाई का पर्याप्त साधन उपलब्ध न होने के कारण अन्य व्यावसायिक गतिविधियों से वंचित रह जाते थे और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता था।

आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम में गूंजा पोषण, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण का संदेश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के ग्राम पंचायत डेमनापारा के आंगनबाड़ी केंद्र में पोषण माह 2026 के तहत 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को पोषण, स्वास्थ्य, मातृ-शिशु देखभाल एवं महिला सशक्तिकरण से जुड़ी शासकीय योजनाओं की जानकारी प्रदान करना और समुदाय में जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ परियोजना मनेन्द्रगढ़ ग्रामीण की पर्यवेक्षक शिल्पा अग्रवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर महिलाओं, बच्चों, गर्भवती एवं धात्री माताओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहयोगिताओं, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं तथा ग्रामीण जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। न्योता भोज और सुपोषण टोकरी से दिया पोषण का संदेश कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी केंद्र में न्योता भोज का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों को पौष्टिक भोजन कराया गया। पर्यवेक्षक शिल्पा अग्रवाल ने कहा कि



सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आंगन मिलन सेवा का उद्देश्य शासन की योजनाओं और सेवाओं को गांव-गांव तक पहुंचाना है। उन्होंने महिलाओं एवं बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और समुचित

विकास के लिए परिवार एवं समुदाय की सक्रिय भागीदारी को आवश्यक बताया। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं आशा दीदीयों का सम्मान भी किया गया। पोषण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को बच्चों के सर्वांगीण विकास, संतुलित आहार, स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पौष्टिक खाद्य पदार्थों के उपयोग तथा गर्भवती एवं धात्री माताओं के स्वास्थ्य एवं पोषण पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रेरित किया गया। विभिन्न गतिविधियों, प्रतियोगिताओं और संवाद विद्यालय की मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने शौचालय, पेयजल, बिस्तर सहित बच्चों की अन्य जरूरी सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने को कहा। साथ ही संस्था की आवश्यकता के अनुरूप संसाधनों और व्यवस्थाओं को मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि "सशक्त एमसीबी-सेवा संकल्प अभियान" केवल सुविधाएं उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरतमंदों तक संवेदनशीलता के साथ पहुंचाने और उन्हें सम्मानपूर्वक बेहतर जीवन के अवसर देने का संकल्प है। दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देना इसी सेवा भावना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। बच्चों की प्रतिभा से प्रभावित होकर 1 लाख रुपये की सहायता की घोषणा विद्यालय की व्यवस्थाओं और बच्चों की प्रतिभा से प्रभावित मंत्री रामविचार नेताम ने संस्था के संचालन और आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए 1 लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की। उन्होंने बच्चों को साउंड सिस्टम बॉक्स तथा फल-फूल भी भेंट किए। मंत्री ने कहा कि इन बच्चों में आगे बढ़ने की पूरी क्षमता है। सामूहिक प्रयासों से उनकी प्रतिभा को बड़े मंच तक पहुंचाया जा सकता है और उन्हें समाज की मुखध्वारा में सम्मानजनक अवसर दिए जा सकते हैं।

जागरूकता बढ़ाने के साथ महिलाओं के आत्मविश्वास और सहभागिता को भी मजबूत कर रहे हैं।

योजनाओं की जानकारी के साथ महिलाओं को किया जागरूक

कार्यक्रम में महिलाओं को छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। प्रधानमंत्री मातृ बंधना योजना, महारानी बंदन योजना सहित महिला एवं बाल हितैषी योजनाओं के संबंध में हितग्राहियों से संवाद किया गया और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही 'हर घर मुन्गा, घर-घर मुन्गा' अभियान के तहत मुन्गा के पौधों को रोपण किया गया। कार्यक्रम में पौष्टिक थाली का प्रदर्शन एवं व्यंजन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया।

नेत्रहीन बच्चों की प्रतिभा देख भावुक हुए मंत्री नेताम, संस्था को 1 लाख की मदद का ऐलान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। गांधी जयंती के अवसर पर 'सशक्त एमसीबी-सेवा संकल्प अभियान' के तहत जिले के प्रभारी एवं कृषि मंत्री रामविचार नेताम मनेन्द्रगढ़ स्थित एमसीबी जिला नेत्रहीन, विकलांग शिक्षण-प्रशिक्षण विद्यालय पहुंचे। मंत्री ने यहां औचक निरीक्षण कर बच्चों से आत्मिय संवाद किया और उनकी पढ़ाई, भोजन, आवास, ब्रेल शिक्षा सहित विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। विद्यालय में बच्चों की प्रतिभा और आत्मविश्वास देखकर मंत्री नेताम भावुक नजर आए। बच्चों ने स्वागत गीत और संगीत के साथ रामायण पाठ व सुंदरकांड की चौपाइयां प्रस्तुत कीं। इसके अलावा उन्होंने विभिन्न जीव-जंतुओं की आवाजें निकालकर अपनी अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों की प्रस्तुतियों में दिखे आत्मविश्वास और सीखने की ललक की मंत्री ने जमकर सराहना की। आप किसी से पीछे नहीं हैं बच्चों से संवाद करते हुए मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि उन्होंने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा से साबित कर दिया है कि वे किसी से पीछे नहीं हैं। बच्चों में संगीत, गायन और सांस्कृतिक गतिविधियों की शानदार प्रतिभा है। जरूरत सिर्फ उन्हें उचित अवसर और बड़ा मंच उपलब्ध करने की है। उन्होंने कहा कि बच्चों में प्रतिभा के साथ आत्मविश्वास भी है। समाज और प्रशासन की जिम्मेदारी है कि उनकी क्षमताओं को पहचानें और उन्हें आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर दें। बच्चों के बीच पहुंचकर उनकी प्रतिभा देखना उनके लिए भावुक और यादगार अनुभव रहा। बच्चों से पूछा- पढ़ाई और भोजन की व्यवस्था कैसे



है मंत्री ने विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों की संख्या, उनके अलग-अलग जिलों से आने और उन्हें दी जा रही शिक्षा एवं प्रशिक्षण की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों से सीधे भोजन की गुणवत्ता और व्यवस्था के बारे में पूछा। शिक्षकों से पढ़ाई और प्रशिक्षण की स्थिति की जानकारी लेते हुए ब्रेल लिपि के माध्यम से दी जा रही शिक्षा के बारे में भी चर्चा की। मंत्री ने जिला पंचायत सीईओ अंकित सोम को विद्यालय का नियमित निरीक्षण करने और व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए, ताकि बच्चों की जरूरतों का समय पर समाधान हो सके। आर्थिक दिकतों से भी कराया अवगत विद्यालय के प्राचार्य संतोष चट्टोकर ने संस्था के संचालन में आ रही आर्थिक कठिनाइयों और अन्य आवश्यकताओं की जानकारी मंत्री को दी। उन्होंने शिक्षकों के वेतन में वृद्धि तथा बच्चों के भरण-पोषण के लिए मिलने वाली राशि

बढ़ाने का आग्रह किया। प्राचार्य ने बताया कि वर्तमान में बच्चों के भरण-पोषण के लिए 600 रुपये की राशि प्राप्त होती है, जिससे संस्था की व्यवस्थाएं संचालित करने में कठिनाई आती है। शौचालय, पेयजल और बिस्तर जैसी सुविधाओं पर जोर मंत्री नेताम ने विद्यालय की मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने शौचालय, पेयजल, बिस्तर सहित बच्चों की अन्य जरूरी सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने को कहा। साथ ही संस्था की आवश्यकता के अनुरूप संसाधनों और व्यवस्थाओं को मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि "सशक्त एमसीबी-सेवा संकल्प अभियान" केवल सुविधाएं उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरतमंदों तक संवेदनशीलता के साथ पहुंचाने और उन्हें सम्मानपूर्वक बेहतर जीवन के अवसर देने का संकल्प है। दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देना इसी सेवा भावना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। बच्चों की प्रतिभा से प्रभावित होकर 1 लाख रुपये की सहायता की घोषणा विद्यालय की व्यवस्थाओं और बच्चों की प्रतिभा से प्रभावित मंत्री रामविचार नेताम ने संस्था के संचालन और आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए 1 लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की। उन्होंने बच्चों को साउंड सिस्टम बॉक्स तथा फल-फूल भी भेंट किए। मंत्री ने कहा कि इन बच्चों में आगे बढ़ने की पूरी क्षमता है। सामूहिक प्रयासों से उनकी प्रतिभा को बड़े मंच तक पहुंचाया जा सकता है और उन्हें समाज की मुखध्वारा में सम्मानजनक अवसर दिए जा सकते हैं।

सौर सुजला से खेत में आई रोशनी, एक एकड़ में तीन फसलें ले रहे आशीष टोप्पो

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कभी सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता पर निर्भर रहने वाले कोरिया जिले के किसान आशीष टोप्पो अब अपने एक एकड़ खेत में सालभर खेती की व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ रहे हैं। सौर सुजला योजना के तहत मिली सौर सिंचाई सुविधा ने उनके लिए खेती के नए रास्ते खोले हैं। ग्राम पंचायत कदमनारा निवासी 46 वर्षीय आशीष टोप्पो पिता प्रभुदयाल अब एक ही खेत से अलग-अलग मौसम में फसल लेने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। आशीष बताते हैं कि सौर सिंचाई सुविधा मिलने के बाद खेत में पानी का बेहतर प्रबंधन



संभव हुआ है। इससे वे खेती की गतिविधियों को नियमित रूप से संचालित कर पा रहे हैं और वर्तमान में एक एकड़ भूमि पर साल में करीब तीन फसलें लेने का प्रयास कर रहे हैं। धान से लेकर मूंगफली तक, मौसम के हिसाब से फसल आशीष टोप्पो अपने खेत में धान, गेहूं, सरसों, उड़द और मूंगफली जैसी विभिन्न फसलों की खेती करते हैं। सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होने से वे मौसम और खेत की जरूरत के अनुसार

अलग-अलग फसलों की योजना बना पा रहे हैं। उनके मुताबिक, पहले खेती में पानी की उपलब्धता एक महत्वपूर्ण चुनौती थी। अब वे उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए खेती को अधिक व्यवस्थित बनाने की कोशिश कर रहे हैं। सालाना करीब एक लाख रुपये की आमदनी आशीष टोप्पो के अनुसार खेती से उन्हें हर साल लगभग एक लाख रुपये की आमदनी" प्राप्त होती है। उनका कहना है उनके लिए सौर सुजला योजना केवल खेत तक पानी पहुंचाने का साधन नहीं, बल्कि खेती की अधिक व्यवस्थित और टिकाऊ तरीके से करने का माध्यम बनी है।

महासमुंद में आयुष सेवाओं का विस्तार, पांच साल में 8.4 लाख से ज्यादा लोगों को मिला लाभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। महासमुंद जिले में आयुष चिकित्सा सेवाओं के विस्तार से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को अब अपने घर के नजदीक ही आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग आधारित स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल रहा है। जिला आयुष विभाग की पहल से न केवल उपचार की सुविधा ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंची है, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली और निवारक स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भी लोगों में जागरूकता बढ़ी है। जिले के 36 आयुष संस्थानों में नियमित ओपीडी संचालित हो रही है। यहां लोगों को स्वास्थ्य परामर्श, जांच, उपचार और निःशुल्क औषधियां उपलब्ध कराई जा रही हैं। आयुष चिकित्सक उपचार के साथ योग, आहार-विहार और स्वस्थ जीवनशैली को लेकर भी परामर्श दे रहे हैं। पांच साल में 8.4 लाख से अधिक लोगों तक पहुंची आयुष सेवा आयुष सेवाओं की बढ़ती पहुंच का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि वर्ष

2021-22 में 86,279 लोगों ने सेवाओं का लाभ लिया। इसके बाद 2022-23 में 1,91,854, 2023-24 में 2,02,424, 2024-25 में 1,81,307 और 2025-26 में 1,83,303 लोगों ने आयुष सेवाओं का लाभ उठाया। वहीं अप्रैल से अगस्त 2026 तक 70,146 लोग आयुष सेवाओं से जुड़े। इस तरह पिछले पांच वर्षों और चालू वित्तीय वर्ष के शुरुआती पांच महीनों में 8 लाख 15 हजार से अधिक लोगों तक आयुष सेवाओं की पहुंच बनी है। 60 साल से अधिक उम्र वालों के लिए हर गुरुवार 'सियान जनन' वरिष्ठ नागरिकों की विशेष स्वास्थ्य जरूरतों को ध्यान में रखते हुए जिले के 36 आयुष संस्थानों में 'सियान जतन क्लिनिक' संचालित किया जा रहा है। प्रत्येक गुरुवार को 60 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार किया जाता है। क्लिनिक में सामान्य स्वास्थ्य जांच, प्रकृति परीक्षण,

आयुर्वेदिक, यूनानी एवं होम्योपैथी औषधियों के साथ पंचकर्म सेवाएं भी उपलब्ध हैं। इस पहल से बुजुर्गों को नियमित स्वास्थ्य देखभाल की सुविधा उनके नजदीक ही मिल रही है। सियान जतन क्लिनिक से वर्ष 2021-22 में 9,706, 2022-23 में 36,972, 2023-24 में 41,607, 2024-25 में 36,452, 2025-26 में 34,502 तथा अप्रैल से अगस्त 2026 तक 11,761 वरिष्ठ नागरिक लाभान्वित हुए हैं। 'रन फॉर आयुर्वेद' से युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली का संदेश आयुष चिकित्सा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए जिले में स्वास्थ्य शिविर और जन-जागरूकता कार्यक्रम भी लगातार आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में आयुर्वेद, योग, यूनानी और होम्योपैथी विशेषज्ञों द्वारा निःशुल्क परामर्श, स्वास्थ्य परीक्षण और औषधि वितरण किया जाता है।

'सेवा संकल्प और सेवा सेतु अभियान से बस्तर में सेवा, समाधान और जनजागरूकता का संदेश'

'सांसद महेश कश्यप के नेतृत्व में बस्तर फाइटर्स के 600 नव आरक्षकों ने चलाया सघन स्वच्छता अभियान'



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान और सेवा सेतु अभियान के माध्यम से बस्तर में सेवा, स्वच्छता, जागरूकता और आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान की प्रभावी तस्वीर सामने आई है। बस्तर जिले के जिला मुख्यालय जगदलपुर में एक और बस्तर फाइटर्स के 600 नव आरक्षकों ने वृहद स्वच्छता अभियान चलाकर सेवा और श्रमदान का संदेश दिया, वहीं ग्राम पंचायत माड़पाल में आयोजित सेवा सेतु शिविर में प्राप्त सभी 310 आवेदनों का मौके पर निराकरण किया गया। शिविर में स्कूली विद्यार्थियों की 'नमो सेवा गाथा' नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति भी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। '600 नव आरक्षकों ने संपाली स्वच्छता की कमान' 'स्वच्छता पखवाड़ा 2026' के तहत लालबाग स्थित पुलिस प्रशिक्षण शाला से स्वच्छता अभियान की शुरुआत हुई। बस्तर सांसद महेश कश्यप ने अधिकारियों, जवानों और नागरिकों को स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। उन्होंने स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाने और इसके लिए व्यापक

ऐतिहासिक दलपत सागर, सिरहासार चौक और गंगामुण्डा सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर सघन सफाई अभियान चलाया। जवानों के श्रमदान ने स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों को भी अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। 'माड़पाल में 310 आवेदनों